संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 259
पृष्ठ 8
मंगलवार
09 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डायबिटीज को रखना है कंट्रोल...

विचार- चुनाव आयोग के खोखले दावे...

खेल- भारत ने रचा इतिहास, टेस्ट में...

मुख्यमंत्री योगी ने मौसम विज्ञान केन्द्र का उद्घाटन किया,बोले-

प्रदेश में अब 3 घंटे पहले सबके मोबाइल पर अलर्ट आ रहा

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने लखनऊ में कहा है कि 12 साल पहले मौसम की जानकारी उलटा होती थी। जो भी बताया जाता था, उसके उलटा होता था। अगर मौसम विभाग बताता कि बारिश होगी तो बारिश नहीं होती थी। अब हम पहले ही अलर्ट हो जाते हैं। इसके लिए केंद्रीय विज्ञान राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बहुत काम किया। उसी का परिणाम है कि अब आंधी, बारिश का अलर्ट 3 घंटे पहले सबके मोबाइल पर आ रहा है। 13 मई को प्रदेश में आपदा आई, जिसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। मैंने अधिकारियों की मीटिंग ली। उनसे पूछा कि भई, कहां चूक हो गई। इस पर यह निकलकर आया कि लोकल लेवल पर सावधानी नहीं बरती गई। सीएम योगी ये बातें सोमवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लखनऊ के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की

स्थापना के दौरान कहीं। इस मौसम विज्ञान केंद्र से यूपी और उत्तराखंड के मौसम की निगरानी की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा– मैंने इसरो से एक बार अनुरोध किया था कि राज्य सरकार चाहती है कि हमारे पास भी अपना एक सैटेलाइट हो जो मौसम की सटीक जानकारी हमें उपलब्ध करवा सके। क्योंकि, यहां बिजली से होने वाली मौतें ज्यादा हैं। राज्य सरकार, आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता देती है। हमने यूपी में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना में अब केवल किसानों को ही नहीं रखा है, किसानों के साथ बंटाईदार और उनके घरवालों को भी दुर्घटना बीमा में शामिल कर दिया है। मौसम में बदलाव आए हैं। मौसम के समय में परिवर्तन हो गया है। अगर आप महसूस करें तो हर मौसम में 1 महीने का अंतर आया है। ऐसे ही रहा तो इससे खाद्यान का संकट हो सकता है। यूपी राज्य देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। 11 फीसदी भूमि कृषि की है। लेकिन देश में यूपी 21 फीसदी खाद्यान उपलब्ध कराता है। मौसम की जानकारी हमें हमारे अन्नदाता की जानकारी को बढ़ाने के लिए, जन–धन की हानि को रोकने के लिए और तबाही रोकने के लिए जानकारी हमें प्राप्त हो। सहारनपुर में एक मंदिर में कीर्तन चल रहा था। उसी समय मौसम विभाग का अलर्ट आया। उसकी वजह से सभी को वहां से विस्थापित किया गया। 2 महिलाओं की मौत हुई लेकिन जो दर्जनों लोगों की मौत हो सकती थी, उस अलर्ट से (अर्ली वार्निंग सिस्टम) से उसे बचा लिया गया। वो महिलाएं भी अपने से उधर चली गईं, जिससे बह गईं। कुछ जनपदों में अक्सर मौसम से तबाही के कारण मौतें होती थीं तो मैंने अधिकारियों के साथ बैठक की। उनसे कहा कि कैसे टेक्नोलॉजी की मदद लेकर लोगों को बचाया जा सकता है। अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत किया गया। उससे मौतों की संख्या घट गई। 100–150 मौतें मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली जैसे जनपदों में हर साल का आंकड़ा था। आज वह आंकड़ा दर्जनभर के पास रह गया है। ये जो अब भी मौतें हो रही हैं, उन्हें खुद की सावधानी से खुद बचा जा सकता है। लोग वार्निंग के बावजूद बाहर रहते हैं, घरों से बाहर जाते हैं।

12 साल पहले मौसम की जानकारी उलटा होती थी। जो भी बताया जाता था, उसके उलटा होता था। अगर मौसम विभाग बताता कि बारिश होगी तो बारिश नहीं होती थी। अब हम पहले ही अलर्ट हो जाते हैं। इसके लिए केंद्रीय विज्ञान राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बहुत काम किया। उसी का परिणाम है कि अब आंधी, बारिश का अलर्ट 3 घंटे पहले सबके मोबाइल पर आ रहा है। 13 मई को प्रदेश में आपदा आई, जिसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। मैंने अधिकारियों की मीटिंग ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

गरीब कल्याण योजनाओं के जरिए सीधे गरीबों की मदद

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का केंद्र गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग का कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियां अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित हैं। इसका उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर '12 Years Of Garib Kalyan' हैशटैग के साथ प्रधानमंत्री ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जन धन योजना, सीधे लाभार्थी के बैंक खातों में राशि (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य लोगों को सम्मानजनक जीवन और बेहतर अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की हर योजना का लक्ष्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें सशक्त बनाना रहा है। उन्होंने बताया कि डीबीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार व लीकेज में कमी आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक के उपयोग से शासन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनी है और लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। 10 जून को वह लगातार 4,399 दिन तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। इसके साथ ही वह भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे। नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,398 दिन तक पद संभाला था।

केरल में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा 15 जून से, केएसआरटीसी पर 57 करोड़ का पड़ेगा बोझ

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल सरकार की महिलाओं को केएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की महत्वाकांक्षी योजना 15 जून से लागू होगी। हालांकि शुरुआती चरण में यह सुविधा केवल साधारण (ऑर्डिनरी) बस सेवाओं में ही उपलब्ध होगी। यह फैसला मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और परिवहन मंत्री सी. पी. जॉन की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। निर्णय के पीछे केएसआरटीसी की वित्तीय स्थिति और परिचालन संबंधी चुनौतियों को कारण बताया गया है। परिवहन मंत्री सी. पी. जॉन ने कहा कि योजना की पूरी जानकारी मुख्यमंत्री सतीशन देंगे। पहले इस प्रस्ताव पर कैबिनेट में चर्चा होगी, जिसके बाद अंतिम घोषणा की जाएगी। यूडीएफ सरकार ने अपने चुनावी वादों के तहत इंदिरा गारंटी कार्यक्रम में इस योजना को शामिल किया था। इसे शुरुआती 100 दिनों के लिए परीक्षण के आधार पर लागू किया जाएगा। इस दौरान यात्रियों की संख्या, राजस्व में होने वाले नुकसान और परिचालन पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद फास्ट पैसेंजर और लंबी दूरी की अन्य बस सेवाओं तक इस सुविधा का विस्तार करने पर फैसला लिया जाएगा। परिवहन आयुक्त को परीक्षण अवधि के दौरान वित्तीय प्रभाव का विश्लेषण करते हुए रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार दूसरे चरण पर निर्णय इसी रिपोर्ट के आधार पर करेगी। केएसआरटीसी के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 23 लाख यात्री उसकी सेवाओं का उपयोग करते हैं, जिनमें करीब 10 से 12 लाख महिलाएं हैं। इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा देने से निगम पर बड़ा वित्तीय बोझ पड़ने की संभावना है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि इस नुकसान की पूरी भरपाई की जाएगी। केएसआरटीसी के अनुमान के मुताबिक, केवल साधारण बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा देने से तीन महीने में करीब 57 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यदि सिटी फास्ट सेवाओं को भी शामिल किया गया तो यह राशि बढ़कर 65 करोड़ रुपए हो सकती है। वहीं साधारण, फास्ट पैसेंजर और सुपर फास्ट बसों तक योजना का विस्तार करने पर यह बोझ 90 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। सभी श्रेणी की बसों में मुफ्त यात्रा लागू करने पर तीन महीने में लगभग 112 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है।

सीबीएसई मूल्यांकन में गड़बड़ी का मामला, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और सीबीएसई को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12वीं की परीक्षा में डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम (ओएसएम) में हुई गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और सीबीएसई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 12 जून 2026 को तय की है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कदम उठाया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम में आई तकनीकी खामियों और गड़बड़ियों के कारण हजारों छात्रों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई छात्रों की आंसर स्क्रिप्ट गायब बताई जा रही हैं, कुछ धुंधली हैं, तो कुछ की गलत तरीके से जांच की गई है। एनएसयूआई ने याचिका में मांग की है कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया में हुई सभी गड़बड़ियों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय, प्रोटोकॉल और दिशा–निर्देश तैयार किए जाएं। याचिका में सीबीएसई को उन सभी छात्रों को कंपेन्सेटरी मार्क्स देने का भी निर्देश देने की अपील की गई है जिनकी उत्तर पुस्तिकाएं प्रभावित हुई हैं।

गरीब कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : अमित शाह

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि गरीब कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि सरकार ने गरीब कल्याण के 12 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन–धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं के जरिए करोड़ों लोगों तक लाभ पहुंचाया है। इन योजनाओं ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गृह मंत्री ने कहा कि जन–धन योजना और अन्य वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को पहली बार औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया। इससे गरीब परिवारों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मिली और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खातों में पहुंचना सुनिश्चित हुआ। अमित शाह ने कहा कि मुद्रा लोन और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं ने छोटे उद्यमियों, रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। इससे लाखों लोगों को अपना व्यवसाय शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने केवल आर्थिक सहायता तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि गरीबों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों से करोड़ों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन स्तर के माध्यम से देश के गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही प्रयास विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं।

हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में हुई इंडिया ब्लॉक की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि विपक्षी दल अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाएंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन पांच बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है और आने वाले समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने की तैयारी की जाएगी। खरगे ने साफ कहा कि हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। बैठक में करीब 25 विपक्षी दलों ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर इंडिया ब्लॉक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मॉनसून सत्र में भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा और छात्रों के साथ न्याय की मांग करेगा। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति के मुद्दे को देशभर में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।

खरगे ने कहा कि बैठक में आर्थिक स्थिति, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आम लोगों की जिंदगी मुश्किल होती जा रही है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं दिख रही। विपक्ष का कहना है कि बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी ने युवाओं और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। इंडिया ब्लॉक ने तय किया है कि आने वाले महीनों में इन मुद्दों पर संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। विपक्षी दलों का मानना है कि यही मुद्दे आने वाले चुनावों में निर्णायक साबित हो सकते हैं। बैठक में खरगे ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति कमजोर हुई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की स्थिति प्रभावित हुई है। इसके अलावा उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि करोड़ों लोगों को मतदान अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होना जरूरी है। गठबंधन ने इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला भी किया है। खरगे ने घोषणा की कि इंडिया ब्लॉक की अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन अब हर दो महीने में बैठक करेगा ताकि सभी दलों के बीच तालमेल मजबूत रहे। विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि लोकसभा में 17 अप्रैल 2026 को संविधान संशोधन विधेयक को हराकर विपक्ष ने अपनी एकजुटता साबित की थी। अब उसी एकता को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि संसद के भीतर और बाहर भाजपा सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाई जाएगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इंडिया ब्लॉक अब सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी भी शुरू कर चुका है।

भाजपा की फूट डालने की पुरानी चाल कामयाब नहीं होगी–दिग्विजय सिंह

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश में कांग्रेस से राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने अपना नामाकंन दाखिल किया। उनका मुकाबले में भाजपा ने तीसरे उम्मीदवार के रूप में महेश केवट को उतारा है। ऐसे में मुकाबला बेहद रोचक हो गया है। वहीं कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग का खतरा बढ़ गया है। हालांकि कांग्रेस ने इसे भाजपा की गलतफहमी बताया है। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह का कहना है, बीजेपी को गलतफहमी है कि वे पार्टी में फूट डाल सकते हैं। कांग्रेस पूरी तरह से संगठित और एकजुट हैय सभी कांग्रेस विधायक पार्टी की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन को मजबूती से अपना पूरा समर्थन देंगे और बीजेपी की फूट डालने की पुरानी चाल कामयाब नहीं होगी। मीनाक्षी नटराजन कांग्रेस की उम्मीदवार हैं और हम कांग्रेस में एकजुट हैं।

बता दें कि 230 सदस्यों वाली मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रभावी वोट संख्या 228 है। इनमें से बीजेपी के पास 164 और कांग्रेस के पास 64 विधायक हैं। बीना की विधायक निर्मला सप्रे के वोट की स्थिति साफ न होने (जो बीजेपी की तरफ झुकती दिख रही है) और विजयपुर के विधायक मुकेश मल्होत्रा घ्घ्के वोटिंग पर रोक के कारण, कांग्रेस की प्रभावी संख्या घटकर 62 रह गई है। राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए हर उम्मीदवार को 58 वोटों की जरूरत होती है। इस तरह, बीजेपी को दो सीटें जीतने के लिए 116 वोटों की जरूरत है।

नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को बचाने वाले 'रहवीरों' को मिलेगा 25,000 का इनाम

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 8 जून को भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से दो नई पहलों की घोषणा की, जिनमें आपातकालीन स्थिति में सबसे पहले पहुंचने वाले नागरिकों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी शामिल है। इन उपायों के बारे में बताते हुए गडकरी ने कहा कि हमने दो योजनाएं शुरू की हैं। एम्स के एक डॉक्टर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने रिपोर्ट दी है कि हमारे देश में प्रतिवर्ष 180,000 मौतें और 500,000 दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटना

पीड़ितों में से 30% को अगर तुरंत अस्पताल ले जाया जाए तो बचाया जा सकता है, यानी 50,000 जानें। त्वरित जन सहायता को प्रोत्साहित करने के लिए, मंत्रालय ने रहवीर पहल शुरू की। गडकरी ने बताया कि यदि लोग इन 50,000 लोगों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं, तो उनकी जान बचाई जा सकती हैय हम ऐसे जीवनरक्षकों को 'रहवीर' कहते हैं, और बचावकर्ता को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार आपातकालीन चिकित्सा देखभाल में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर करेगी। मंत्री ने आगे कहा कि इसके बाद, सड़क के प्रकार की परवाह किए बिना – चाहे वह राष्ट्रीय, जिला या नगरपालिका हो – और जिस भी अस्पताल में पीड़ित को भर्ती कराया जाता है, हम सात दिनों तक के उपचार खर्च को तुरंत वहन करेंगे, अस्पताल के बिल का भुगतान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक करेंगे। स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा, "मेरा मानना है कि ये योजनाएं एक महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान करती हैं, क्योंकि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या विश्व स्तर पर सबसे अधिक है।

जूनियर डॉक्टर की गिरफ्तारी की खबर पर भड़का गुस्सा, एसआरएन अस्पताल में साथी डॉक्टरों ने ठप किया काम

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) के डॉक्टरों ने सोमवार को फिर से कामकाज ठप कर हड़ताल शुरू कर दिया है। डॉक्टरों का आरोप है कि जूनियर रेजिडेंट मोहनीश सिद्दीकी को अचानक कुछ लोग उठा ले गए। स्वरूपरानी

नेहरू अस्पताल (एसआरएन) के डॉक्टरों ने सोमवार को फिर से कामकाज ठप कर हड़ताल शुरू कर दिया है। डॉक्टरों का आरोप है कि जूनियर रेजिडेंट मोहनीश सिद्दीकी को अचानक कुछ लोग उठा ले गए। यह लोग पुलिस की वर्दी में नहीं थे। कौन लोग उन्हें ले गए हैं यह पता नहीं चला। इसकी जानकारी होते ही डॉक्टरों में गुस्सा फूट पड़ा। नई बिल्डिंग में ओपीडी का बहिष्कार करके जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी है। इसके बाद यहां पर व्यवस्था लड़खड़ा गई है। इलाज के लिए आए मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर हालत में लाए गए मरीजों को भी देखने वाला कोई नहीं है। इमरजेंसी सेवा भी ठप कर दी गई है।

आजाद पार्क में मनाया गया राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस, युवाओं ने उठाई क्रूरता-मुक्त जीवनशैली की मांग

प्रयागराज। प्रयागराज के ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद पार्क में राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस के अवसर पर युवाओं, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रयागराज के ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद पार्क में राष्ट्रीय

पशु अधिकार दिवस के अवसर पर युवाओं, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज बुलंद की। कार्यक्रम में पशु अधिकारों की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वीगन जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। संगम नगरी के चंद्रशेखर आजाद पार्क में रविवार को राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस (एनएआरडी) मनाया गया। 'प्रयागराज वीगन क्रांति' के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं, छात्रों और जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन 'आवर प्लैनेट, देयर्स टू' अभियान के तहत किया गया, जो दुनिया के 60 से अधिक देशों में एक साथ संचालित होने वाला वैश्विक आंदोलन है।

कार्यक्रम की शुरुआत फैक्ट्रियों, प्रयोगशालाओं और अन्य उद्योगों में मारे जाने वाले पशुओं की स्मृति में मोमबत्ती जलाकर तथा दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने पशु अधिकारों की घोषणा का सामूहिक पाठ किया और सभी जीवों के प्रति करुणा एवं सह-अस्तित्व बनाए रखने की शपथ ली। वक्ताओं ने कहा कि पशु क्रूरता न केवल नैतिक बल्कि पर्यावरणीय संकट का भी बड़ा कारण है। उन्होंने बताया कि पशुपालन और मांस-डेयरी उद्योग वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कार्यक्रम में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन कर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू करने की मांग भी उठाई गई। जागरूकता सत्र के दौरान पशु अधिकारों से जुड़ी कहानियां, कविताएं और तथ्य प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने लोगों से अपने दैनिक जीवन और खानपान को अधिक संवेदनशील एवं क्रूरता-मुक्त बनाने की अपील की। कई प्रतिभागियों ने पशु अधिकारों के वैश्विक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर कर समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने हाथों में संदेश लिखी तख्तियां लेकर संक्षिप्त जागरूकता मार्च निकाला और आम लोगों को पंपलेट वितरित किए। आयोजकों ने कहा कि प्रयागराज केवल आस्था की ही नहीं, बल्कि करुणा की भी धरती है और समाज को बेजुबान पशुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए।

सिपाही भर्ती परीक्षाः भीड़ बढ़ने पर चलेंगी ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन, 50 से ज्यादा बसें रिजर्व

प्रयागराज। आठ से 10 जून तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर रेलवे और रोडवेज ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। रेलवे भीड़ बढ़ने पर ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाएगा तो यूपी रोडवेज ने 50 से अधिक बसें रिजर्व रखी हैं। आठ से 10 जून तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर रेलवे और रोडवेज ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। रेलवे भीड़ बढ़ने पर ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाएगा तो यूपी रोडवेज ने 50 से अधिक बसें रिजर्व रखी हैं। परीक्षा में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल के स्टेशनों पर तकरीबन सात लाख अभ्यर्थियों की आवाजाही का अनुमान है। इसके लिए प्रयागराज स्थित मंडल कार्यालय में वार रूम में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों व अन्य यात्रियों को आवश्यकता पर परीक्षा विशेष (एग्जाम स्पेशल) ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, इटावा और मिर्जापुर स्टेशनों पर अतिरिक्त रेक उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि तत्काल विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा सके। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला और मिर्जापुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। दूसरी ओर यूपी रोडवेज ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए 650 बसों का संचालन करने की तैयारी की है। 50 से अधिक बसें रिजर्व में भी रखी जाएंगी। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज रीजन रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक डिपो के एआरएम को निर्देश दिया गया है कि जिस रूट पर परीक्षार्थियों की भीड़ अधिक होगी, उसी पर अतिरिक्त बसों का संचालन सुनिश्चित करें।

लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं गंभीर ब्रेन ट्यूमर के मरीज

प्रयागराज। मोती लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) के न्यूरो सर्जरी विभाग के अध्ययन में पाया गया कि ब्रेन ट्यूमर के गंभीर मरीज ऑपरेशन के बाद लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं। मोती लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) के न्यूरो सर्जरी विभाग के अध्ययन में पाया गया कि ब्रेन ट्यूमर के गंभीर मरीज ऑपरेशन के बाद लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं। न्यूरो सर्जरी विभाग ने अपना अध्ययन फोर्थ स्टेज के 45 ब्रेन ट्यूमर के मरीजों पर किया। इनमें 20 पुरुष व 25 महिला मरीज थे।

मरीजों की उम्र 50 से 70 वर्ष के बीच रही। इन सभी मरीजों का ऑपरेशन करके ट्यूमर को निकाल दिया गया। इन सभी की बॉयोप्सी सहित मॉलीक्यूलर प्रोफाइलिंग कराई गई। फॉलोअप में मरीजों की सिटी स्कैन व एमआरआई जांच कराई गई। इन सभी में दो प्रकार का कैंसर पाया गया। इनमें 10 फीसदी मरीजों में आईडीएच म्यूटेंट टाइप ऑफ कैंसर और अन्य में आईडीएच वाइल्ड टाइप कैंसर पाया गया। वहीं, आईडीएच वाइल्ड टाइप मरीजों में पांच साल तक दोबारा ट्यूमर नहीं बना।

आईडीएच म्यूटेंट टाइप ऑफ कैंसर के मरीजों में छह महीने के बाद दोबारा ट्यूमर बनने लगा। ऐसे में आईडीएच

वाइल्ड टाइप कैंसर के मरीजों के लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना पाई गई।

अध्ययन के अनुसार अगर ब्रेन ट्यूमर के दौरान मॉलीक्यूलर प्रोफाइलिंग कराई जाए तो ऑपरेशन के बाद मरीज में दोबारा ट्यूमर के विकसित होने का पता लगाया जा सकता है। इससे इलाज में मदद मिलती है।

2020 से चल रहा अध्ययन

न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. एनएन गोपाल, डॉ. अमित सिंह व डॉ. राजीव गौतम सहित अन्य ने वर्ष 2020 में अध्ययन शुरू किया। इसके अलावा वर्ष 2025 में अध्ययन को न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया आइकॉन में प्रेजेंट किया गया। हालांकि, यह अध्ययन अभी कई अन्य मरीजों पर किया जाना है।

क्या है मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग

मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग अत्याधुनिक चिकित्सीय परीक्षण है। इसके तहत बीमारी (विशेषकर कैंसर) से प्रभावित कोशिकाओं या ऊतकों के भीतर मौजूद डीएनए, आरएनए और प्रोटीनों का विश्लेषण किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बीमारी की सटीक वजहों का पता लगाना है।

चौथे चरण का ब्रेन ट्यूमर घातक होता है। जिसमें ऑपरेशन के बाद भी मरीज छह से डेढ़ साल के भीतर मरीज में दोबारा ट्यूमर बनने लगता है। कुछ गंभीर ट्यूमर के मरीज पांच से सात साल या फिर उससे अधिक समय तक जीवित रहते हैं। ऐसे में अगर ट्यूमर के बॉयाप्सी के साथ मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग कराई जाए तो राहत की संभावना ज्यादा रहती है। – डॉ. पंकज गुप्ता, न्यूरो सर्जन, एमएलएन मेडिकल कॉलेज।

सड़क हादसे में घायल महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत, इलाज को लेकर एसआरएन में हुआ था हंगामा

प्रयागराज। सड़क हादसे में घायल इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला इलाज के दौरान मौत हो गई। उनका इलाज लखनऊ के एक अस्पताल में चल रहा था।

सड़क हादसे में घायल इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला इलाज के दौरान मौत हो गई। उनका इलाज पीजीआई लखनऊ में चल रहा था। मौत की खबर से अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद के अध्यक्ष राकेश पांडेय ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की। लिखा है कि जागृति शुक्ला की मौत अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उधर, कई सोशल मीडिया ग्रुप में भी जागृति शुक्ला की मौत पर अधिवक्ताओं ने दुख जताया है। लिखा है कि यदि एसआरएन के डॉक्टरों ने समयसे उपचार किया होता तो जान बच सकती थी।

एसआरएन में हुआ था बवाल

हादसे में घायल जागृति शुक्ला को उपचार के लिए जब एसआरएन ले जाया गया था तो कथित तौर पर इलाज में देरी को लेकर जूनियर डॉक्टरों से विवाद हो गया था। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर ओपीडी सेवा

बंद कर दी थी। डॉक्टरों के खिलाफ मारपीट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले 20 जूनियर डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया था। बाद में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को भी हटा दिया गया था।

दोपहर बाद अधिवक्ताओं ने किया सड़क जाम

अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के बाद साथी अधिवक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने दोपहर लंच के बाद कार्य से विरत रहने का प्रस्ताव पारित किया। साथ ही मृतक महिला अधिवक्ता के परिजनों को पांच लाख रुपये आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की।

महासचिव अखिलेश मिश्र ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। डॉक्टरों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई है। पुलिस प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। आरोपी जूनियर डॉक्टर और टक्कर मारने वाले वाहन के चालक को तत्काल गिरफ्तार कार्रवाई नहीं की गई तो बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

उधर, दोपहर में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट के पास अंबेडकर चौराहे पर बैठकर घटना के बारे में दुख व्यक्त करते हुए आगे की रणनीति तैयार की। इसके बाद एकलव्य चौराहा पर जाम लगा दिया गया। इससे आवागमन अवरुद्ध हो गया है।

कार चालक को भी पुलिस ने दबोचा

अधिवक्ता जागृति शुक्ला को टक्कर मारने वाले कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दो सप्ताह पहले इंदिरा गांधी मूर्ति चौराहे के पास डस्टर कार ने जागृति को टक्कर मार दी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने सोमवार को आरोपी को पकड़ लिया। पकड़ा गया चालक कैंट इलाके का रहने वाला है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

अधिवक्ता की मौत के बाद वकीलों का गुस्सा फूटा, एकलव्य चौराहे पर लगाया जाम

प्रयागराज। अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के बाद साथी अधिवक्ताओं ने एकलव्य चौराहे के पास सड़क पर जाम लगा दिया है। इससे प्रयागराज-कानपुर मार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के बाद साथी अधिवक्ताओं ने एकलव्य चौराहे के पास सड़क पर जाम लगा दिया है। इससे प्रयागराज-कानपुर मार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। मौके पर बड़ी संख्या में फोर्स को तैनात कर दिया गया है। अधिवकारियों ने अधिवक्ताओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए। शहर में तीन दिनों तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा सोमवार के शुरू हुई है।

इसको लेकर ट्रैफिक डावर्जन समेत तमाम तैयारियां की गई हैं। ऐसे में चक्काजाम के चलते स्थिति काफी बिगड़ गई है। वाहनों को दूसरे रूट से भेजा जा रहा है, जिससे जाम की स्थिति हर सड़क पर होने लगी है। पुलिस ने एसआरएन अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर को उसके आवास रामपुर जिले से उठा लिया है लेकिन अधिवक्ता सभी जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। झूंसी थाना क्षेत्र के तुलापुर में रहने वाले पवन शुक्ला की बेटी जागृति शुक्ला इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। हाईकोर्ट की महिला क्रिकेट टीम का टूर्नामेंट होने वाला है। मैदान में इसकी प्रैक्टिस के लिए रोज सुबह क्रिकेट टीम आ रही है। जागृति शुक्ला भी इसी टीम में एक सदस्य हैं। 20 मई बुधवार को भोर में पांच बजे प्रैक्टिस के लिए आते समय वह चौदहो पीर मजार के पास हादसे का शिकार हो गईं थीं। सूचना पाकर उनकी साथी नेहा खान, रिया खान, हया रिजवी, कोच दीपंकर आदि पहुंचे। नेहा खान और रिया खान का आरोप है कि सुबह करीब 5.30 बजे ट्रामा सेंटर में डॉक्टर सो रहे थे। एक युवा डॉक्टर काले रंग की शर्ट पहने था सबसे पहले उसने अभद्रता शुरू की और इलाज में लेट लतीफी होने लगी। इसी बात पर विवाद हुआ। जब ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया तो सब मिलकर महिला अधिवक्ताओं और दीपांकर के साथ मारपीट करने लगे। उनके हाथ में कैंची थी और सर्जिकल ब्लेड भी था। इन्हीं सर्जिकल सामानों से हमला होने का आरोप है। किसी की कलाई में चोट लगी, किसी के गर्दन के पास चोट लगी। वीडियो बनाने की कोशिश हुई तो डॉक्टरों ने फोन छीन लिया। फोन करके बुलाने पर अधिवक्ता के साथियों में जो भी आया उन सभी से ट्रॉमा सेंटर में जमकर मारपीट और गाली गलौज का आरोप है। एसआरएन में बवाल के कारण उपचार के लिए जागृति को शहर के एक निजी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर उन्हें पीजीआई लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। 18 दिनों तक चले उपचार के बाद महिला अधिवक्ता की सांसें सोमवार को सुबह छह बजे थम गईं। यह खबर मिलते ही अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई।

डीजल आपूर्ति प्रभावित होने से धीमी हुई झूंसी-नैनी सिक्स लेन पुल के निर्माण की रफ्तार

प्रयागराज। पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति प्रभावित होने से गंगा नदी पर निर्माणाधीन झूंसी-नैनी सिक्सलेन पुल का काम धीमा पड़ गया है। इनर रिंग रोड योजना के तहत सेतु का निर्माण दिसंबर 2027 तक पूरा होना है। पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति प्रभावित होने से गंगा नदी पर निर्माणाधीन झूंसी-नैनी सिक्सलेन पुल का काम धीमा पड़ गया है। इनर रिंग रोड योजना के तहत सेतु का निर्माण दिसंबर 2027 तक पूरा होना है। लेकिन, डीजल की आपूर्ति आधी होने की वजह से सेतु का काम अप्रैल 2028 तक पूरे होने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की तरफ से वर्ष 2025 में इनर रिंग रोड योजना के तहत झूंसी-नैनी के बीच 3.2 किलोमीटर लंबे सिक्सलेन सेतु का निर्माण शुरू किया गया। सेतु के निर्माण में भारी मशीनों को चलाने और ट्रांसपोर्टेशन सहित अन्य कार्य के लिए प्रतिदिन चार हजार लीटर डीजल की खपत होती है। लेकिन, वर्तमान में केवल दो हजार लीटर डीजल की ही आपूर्ति हो रही है। साथ ही कई पेट्रोल पंप मालिकों ने उधार डीजल देना भी बंद कर दिया है। झूंसी पुल की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। इस कारण पुल की एक लेन बंद कर दी गई है। साथ ही भारी वाहनों का मार्ग डायवर्ट कर दिया गया है। ऐसे में कार्यस्थल तक माल के पहुंचने में कठिनाई हो रही है। बिटुमिन की उपलब्धता भी करीब 20 फीसदी घट गई है। बिटुमिन गहरे काले या भूरे रंग का एक अत्यधिक चिपचिपा और जल-प्रतिरोधी पेट्रोलियम पदार्थ है। यह मुख्य रूप से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के शोधन की प्रक्रिया का अंतिम अवशेष होता है। रासायनिक रूप से यह हाइड्रोकार्बन का एक जटिल मिश्रण है। यह सड़क निर्माण में बाइंडर (गिट्टी को आपस में जोड़ने वाले पदार्थ) के रूप में प्रयुक्त होने वाला मुख्य तत्व है। सेतु के निर्माणकार्य में लगी कार्यदायी संस्था जीडीपी ने बिजली विभाग से 250 केवीए की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर की मांग की है। इससे पुल के निर्माण में लगे कर्मचारियों को अंधेरे में न रहना पड़े।

डीजल की आपूर्ति घटकर आधी हो गई है। इससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। साथ ही झूंसी पुल बंद होने के कारण नैनी यार्ड से लोहे का मैटेरियल झूंसी तक पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में निर्माण कार्य 2027 तक पूरा होना मुश्किल है। – शांतनु बसु, प्रोजेक्ट हेड, जीडीपी संस्था।

सन्नाटे में सराफा बाजार, अपने घर लौट रहे दूसरे राज्यों से आए कारीगर

प्रयागराज। सोने और चांदी के आसमान छूते दामों, वैश्विक मंदी और लगातार बढ़ती महंगाई ने प्रयागराज के आभूषण बाजार

की कमर तोड़ दी है। अन्य राज्यों से आए सराफा कारीगरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। सोने और चांदी के आसमान छूते दामों, वैश्विक मंदी और लगातार बढ़ती महंगाई ने प्रयागराज के आभूषण बाजार की कमर तोड़ दी है। अन्य राज्यों से आए सराफा कारीगरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ये कारीगर अपने गांवों की ओर लौटना शुरू कर दिया है। सराफा मंडी के जानकारों के मुताबिक, बीते कुछ समय से तकरीबन 20 से 25 फीसदी कारीगर बाजार छोड़कर जा चुके हैं। कारोबारी राममोहन शर्मा बताते हैं कि मीरगंज सराफा गली में सन्नाटा पसरा है। कारीगरों का दर्द है कि महीने भर में बमुश्किल आठ या दस दिन ही काम मिल पा रहा है। ऐसे में खाली बैठकर मकान का किराया, बिजली का बिल और घर का खर्च चलाना नामुमकिन हो गया है। कारीगर अनूप मजूमदार ने बताया कि काम कम हो जाने की वजह से वह वापस गांव दुर्गापुर जा रहे हैं। अब 20 जून के बाद ही आएंगे। इसी तरह कारीगर मनीष पॉल ने कहा कि पीएम मोदी की अपील के बाद ग्राहकों ने नए आभूषण खरीदना कम कर दिया है। पुराने गहने बदलवाने के लिए भी कम संख्या में लोग आ रहे हैं। बताया कि उन्होंने अपना परिवार आसनसोल भेज दिया है।

नई पार्किंग और चैंबर आवंटन के नियमों को दी चुनौती, याचिका दायर

प्रयागराज। नई पार्किंग और चौंबर आवंटन के नियमों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अधिवक्ता विजय प्रताप सिंह ने याचिका दायर की है। इनके अधिवक्ता ने बताया कि हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड नियमों में कई प्रक्रियागत

त्रुटियां हैं। नई पार्किंग और चैंबर आवंटन के नियमों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अधिवक्ता विजय प्रताप सिंह ने याचिका दायर की है। इनके अधिवक्ता ने बताया कि हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड नियमों में कई प्रक्रियागत त्रुटियां हैं। आवंटन समिति की परिभाषा के लिए जिन नियम का उल्लेख किया गया है, वे नियमावली में ही नहीं हैं। यह भी कहा कि हाईकोर्ट को पूर्वव्यापी प्रभाव से नियम बनाने का अधिकार प्राप्त नहीं है। नियम-11 के तहत अवमानना अधिनियम में दोषसिद्ध अधिवक्ताओं को अपात्र घोषित करने के प्रावधान को भी मनमाना बताया गया है। याचिका में सुरक्षा राशि के नाम पर लगभग 70.72 करोड़ रुपये वसूले जाने के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाया गया है। इसके अतिरिक्त नियम-31 में संशोधन का अधिकार मुख्य न्यायाधीश को दिए जाने और वरिष्ठता के आधार पर चौंबर आवंटन की व्यवस्था को भी चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ने नियमावली को अवैधानिक घोषित करने, चौंबर आवंटन के लिए दिशानिर्देश जारी करने और पुराने चौंबरों से अधिवक्ताओं की बेदखली पर रोक लगाने की मांग की है।

भयहरणनाथ धाम में 9 जून से श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन

भागवतभूषण पं. विजयकान्त तिवारी जी महाराज सुनाएँगे कथा, 7 दिन तक चलेगा धार्मिक आयोजन

प्रतापगढ़। पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम, कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़, उ.प्र. में 9 जून से 15 जून 2026 तक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन सायं 4.30 बजे से 8.30 बजे तक होगी। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि कथा का समर्पण ब्रम्हलीन श्री नागा बाबा जी महाराज, श्री माहेश्वरा नंद जी महाराज (राम जी बाबा) व श्री राम लोचन ब्रम्हचारी जी महाराज सहित धाम हेतु अपनी निस्वार्थ सेवा एवं साधना दिए सभी संत महात्माओं और सामाजिक व्यक्तियों की पुण्य आत्मा को समर्पित है। उन्होंने बताया कि धाम के पुनर्जागरण काल 1997 में धाम में यज्ञ व कथा की नींव रखने वाली टीम के प्रमुख सदस्य व मानस मर्मज्ञ, कथा व्यास भागवतभूषण पं. विजयकान्त तिवारी जी महाराज होंगे। मार्गदर्शन संरक्षक मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित समस्त पुजारी व संरक्षक गण करेंगे। संयोजन संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र व अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल कर रहे हैं। आयोजक भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान हैं तथा सहयोग नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह, का प्राप्त हो रहा है। वहीं धाम व बकुलाही नदी क्षेत्र के समीपवर्ती प्रतापगढ़ व प्रयागराज क्षेत्र के श्रद्धालु समस्त क्षेत्रीय समाज के प्रबुद्ध नागरिक सहभागिता कर रहे है।

मथुरा में अनियंत्रित रोडवेज बस पलटी, महिला की मौत, 15 यात्री घायल

मथुरा। थाना फरह क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक अनुबंधित रोडवेज बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि करीब 15 यात्री घायल हो गए। इनमें दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद बस में चीख–पुकार मच गई और मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार अनुबंधित बस संख्या यूपी 85 एटी 4371 सोमवार दोपहर करीब 12ः30 बजे मथुरा से फिरोजाबाद के लिए रवाना हुई थी। फरह क्षेत्र में महुअन टोल प्लाजा से लगभग एक किलोमीटर पहले ओवरटेक करने के प्रयास में बस चालक नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस डिवाइडर पर चढ़कर

पलट गई। हादसे के बाद बस में फंसे यात्रियों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बस से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने पांच घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरह भिजवाया, जबकि अन्य घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे में आगरा के थाना बरहन क्षेत्र निवासी संगीता की मौत हो गई। बताया गया कि संगीता अपने परिवार के साथ 84 कोस परिक्रमा कर घर लौट रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों और कुछ यात्रियों ने बस चालक के नशे में होने का आरोप लगाया है। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस बस चालक की तलाश के साथ–साथ दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते राहत कार्य शुरू होने से कई यात्रियों की जान बचाई जा सकी। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनता की अनसुनी पड़ सकती भारी

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस पालिसी आमजन के लिए बड़ी फायदेमंद साबित हो रही है। जो अफसर जनता की अनसुनी करेंगे, उन्हें भी सरकार छूट देने वाली नही है।सूत्रों की माने तो सचिवालय के भीतर सीएम डैशबोर्ड यानि आईजीआरएस की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री के जनता दर्शन कार्यक्रम में आ रही शिकायतों, खासकर जमीन विवादों और राजस्व मामलों में ढिलाई बरतने वाले जिलाधिकारियों पर भी इन दिनों खास नजर सीएम कार्यालय द्वारा रखी जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: टीएमसी /सीपीओएच/प्रया./ 26-27/02 — दिनांक: 08.06.2026

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 30.06.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: टीएमसी- सीपीओएच-प्रया-02-26-27	कार्य समापन की अवधि : 24 माह
कार्यों का विवरण: सीपीओएच वर्कशॉप, प्रयागराज में 02 वर्षों की अवधि हेतु कार्य-सूची के अनुसार ट्रैक मशीनों के उपयोग के लिए उपयुक्त एंड फिटिंग्स सहित हाइड्रोलिक होज़ उपलब्ध कराना तथा उनकी सिविल क्रिम्पिंग करके ट्रैक मशीनों की मरम्मत का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (र) : ₹ 33434097.52	बयाना राशि ₹ : ₹ 668700.00
निविदा खुलने की तिथि : 30.06.2026	निविदा प्रपत्र की लागत (₹) : निल
पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य : किसी भी प्रकार की ट्रैक मशीन में रिपेयरिंग से सम्बन्धित कार्य।	

नोट: 1 उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2 उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act - 2000 के अन्तर्गत C. C. A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3 निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4 माल एवं / अथवा सेवाओं के सप्लायर / ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5 संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6 निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। 7 किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8 ऑन लाइन निविदा दिनांक 30.06.2026 समय 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।

1299/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में एक पेड़ माँ के नाम पर पौधारोपण

बंगाईगांव। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय रेल द्वारा दिनांक 15 मई से 05 जून तक पर्यावरण जागरुकता संबंधी कई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस आयोजन के तहत पूसी रेल के पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, न्यू बंगाईगांव में दिनांक 05 जून को एक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधारोपण किया गया।

संस्थान के प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक की अगुवाई में यहां के प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रशिक्षक में वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार और श्री स्वप्न कुमार दास, रोलिंग स्टॉक इंस्ट्रक्टर श्री माधव कुमार मंडल, कनीय व्याख्याता जाहिद हुसैन, वरिष्ठ अनुदेशक श्री कुमार कुणाल, श्री दीपक राय, श्री प्रीतम सिंह, श्री बीजू बोरो, वरिष्ठ ट्रेड अनुदेशक श्री सुजीत झा, श्री संतोष प्रसाद, श्री संजय रॉय, श्री मंटू कालिता, श्री अजय लामा और कार्यालय कर्मियों में श्री अनिल कुंगुर ब्रह्मा, श्री भूषण सिंह बोरो, श्रीमती मनोरमा

बारहोई इत्यादि शामिल थे।

इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक ने कहा कि धरती भी हमारी माँ है। उनका संरक्षण और संवर्धन करना हम सब का दायित्व है। अतः आज हम एक–एक पेड़ अपनी माँ के नाम पर लगाएं, जिससे धरती हरी भरी रहे और प्राणवायु देता रहे। साथ हीं उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोकथाम और पेपरलेश कार्यप्रणाली पर भी बल दिया। इस कार्यक्रम में यहां प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षुओं ने भी काफी उत्साह दिखाया। इनमें गोविंद चौधरी, अनिल कुमार साह, सरोज कुमार साह, चिरंजीत बर्मन, समीर दें रॉय, उपेन्द्र पासवान, कमलेश देब बर्मन, माणिक बारोई, नबजीत बरुआ, सौरभ बर्मन, संजीत बोरो की भूमिका सराहनीय रही।

84 कोस परिक्रमा मार्ग पर निरंतर सेवा का केंद्र बना सविता सिंह सौरौत का शिविर

अड्डकी (मथुरा)। अधिक मास में 84 कोस परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से ग्राम अड्डकी स्थित परिक्रमा मार्ग पर भाजपा नेत्री एवं प्रमुख समाजसेवी श्रीमती सविता सिंह सौरौत द्वारा स्थापित सेवा शिविर लगातार श्रद्धालुओं की सेवा में जुटा हुआ है। शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में परिक्रमार्थी पहुंचकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर में स्नान, शौच, चाय–पानी, नाश्ता, भोजन, विश्राम, प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था की गई है। दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह शिविर राहत और सेवा का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

श्रीमती सविता सिंह सौरौत ने बताया कि धार्मिक यात्राओं में शामिल श्रद्धालुओं की सेवा करना भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा है। इसी भावना के साथ यह सेवा शिविर निरंतर संचालित किया जा रहा है ताकि परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर अन्य स्थानों पर भी सेवा शिविर लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा और धर्म सेवा उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य है। महिलाओं के उत्थान, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, बेटियों के विवाह और विभिन्न सामाजिक कार्यों के साथ–साथ धार्मिक आयोजनों में भी वह निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

शिविर में पहुंच रहे श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी और लंबी पदयात्रा के बीच यह सेवा केंद्र परिक्रमार्थियों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि शिविर के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय लोगों ने श्रीमती सविता सिंह सौरौत का चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान किया था। वर्तमान में भी शिविर पूरी सक्रियता के साथ संचालित हो रहा है और प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं को सेवा एवं सहयोग प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर भावना, सुनीता, राकेश प्रधान, संजीव पचहरा, राजू, जितेन्द्र पहलवान, हरेन्द्र तोमर, पवन कुमार प्रधान, राधेश्याम गिरी, रामवीर सिंह बिष्ट, राकेश नौटियाल सहित अनेक गणमान्य लोग सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

निबंधन कार्य के निजीकरण के विरोध में दस्तावेज लेखक संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, ई–स्टांप वेंडर और टाइपिस्ट भी आंदोलन में शामिल, रजिस्ट्री कार्यालय का कामकाज प्रभावित

मथुरा। राज्य सरकार द्वारा निबंधन कार्य को निजी कंपनी के माध्यम से संचालित करने की प्रस्तावित व्यवस्था के विरोध में मथुरा दस्तावेज लेखक संघ ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, ई–स्टांप वेंडर और टाइपिस्ट भी शामिल हैं।

आंदोलन के चलते रजिस्ट्री कार्यालय का कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा, जिससे विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दस्तावेज लेखक संघ द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि सरकार निबंधन कार्य को ठेके के माध्यम से निजी कंपनी को सौंपने की तैयारी कर रही है। संघ का आरोप है कि इस निर्णय से प्रदेश भर में निबंधन कार्य से जुड़े लाखों अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, ई–स्टांप

वेंडरों और टाइपिस्टों के समक्ष रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। इससे उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

संघ पदाधिकारियों का कहना है कि यह आंदोलन केवल मथुरा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के कई अन्य जनपदों में भी दस्तावेज लेखक संघों ने प्रस्तावित व्यवस्था का विरोध शुरू कर दिया है। विभिन्न जिलों में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक और निबंधन कार्य से जुड़े अन्य लोग भी प्रदर्शन कर रहे हैं।

हड़ताल के कारण रजिस्ट्री कार्यालय में बैनामा सहित अन्य निबंधन संबंधी कार्य प्रभावित हुए। आवश्यक कार्यों के लिए पहुंचे लोगों को दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, जबकि कई मामलों में कार्य नहीं हो सका।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की है कि निबंधन व्यवस्था के निजीकरण संबंधी प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए तथा इस व्यवस्था से जुड़े लाखों लोगों के रोजगार और हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

मोबाइल चोरी कर यूपीआई से उड़ाते थे रकम,पांच साइबर ठग गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सैरपुर पुलिस और डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम ने मोबाइल चोरी कर बैंक खातों से रुपये निकालने वाले एक शातिर साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 मोबाइल फोन, 7 सिम कार्ड, 2 एटीएम कार्ड, 22,260 रुपये नकद, चार्जर, मल्टी चार्जिंग केबल और घटना में प्रयुक्त हुंडई वर्ना कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, सैरपुर क्षेत्र निवासी सरोज कुमार ने 7 जून को मोबाइल चोरी होने और खाते से रुपये निकलने की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित के एसबीआई खाते से 1.36 लाख रुपये तथा पीएनबी खाते से 54 हजार रुपये निकाल लिए गए थे। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर किसान पथ क्षेत्र में घेराबंदी की। यहां एक हुंडई वर्ना कार में सवार पांच संदिग्धों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी के मोबाइल, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और नकदी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बाजारों, बस स्टैंडों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों के मोबाइल चोरी करते थे। मोबाइल हाथ लगने के बाद उसमें मौजूद बैंकिंग एप और सिम कार्ड का इस्तेमाल कर नई यूपीआई आईडी बनाते थे। इसके जरिए खाताधारकों की जानकारी के बिना उनके बैंक खातों से रुपये ट्रांसफर कर लेते थे। गिरफ्तार आरोपी औरैया, शाहजहांपुर, हाथरस और हरदोई जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं।

खिलती है जब चाँदनी

(कुण्डलिया)

आनन्दित मन को करे, तारों–सा धर रूप।
खिलती है जब चाँदनी, लगती बहुत अनूप।
लगती बहुत अनूप, श्वेत पंखुरियाँ प्यारी।
मद्धिम मीठी महक, मोहती दुनिया सारी।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी को कर आकर्षित।
हरि चरणों में बैठ, करे हरि को आनन्दित।।

उजली उजली 'चाँदनी', जैसे दुग्ध सफेद।
सुन्दरता के साथ में, रही बिखेर नवेद।
रही बिखेर नवेद, वायु को निर्मल करके।
रोगों की बन दवा,साथ रहती है सबके।
सुन लो कहें प्रदीप, घनी पत्तियों की टहनी।
जिसके ऊपर खिले, चाँदनी उजली उजली।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

रेलवे कुली पर जानलेवा हमला, कुलियों में आक्रोश

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सुबह लखनऊ मेल से यात्री का सामान उतार रहे एक कुली पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित कुली एहरार ने घटना की तहरीर उत्तर रेलवे जीआरपी को दी। परंतु घंटों बाद भी जीआरपी में इस घटना पर कोई कार्रवाई नहीं की। एहरार के अनुसार उस पर हमला सुधीर मकबूल तथा उन लोगों ने पीटा, उसे डंडों लोहे की राड आदि से पीटा तथा जान से मार देने की धमकियां भी दी। साथ ही कुली अहरार की ट्राली भी अपने साथ ले गए। सूत्रों के अनुसार मामला लखनऊ मेल से यात्री का सामान उतारने को लेकर शुरु हुआ। जीआरपी द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर कुली एकत्र होकर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के पास गए। और उनसे न्याय की गुहार लगाई। उप–मुख्यमंत्री द्वारा तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश जीआरपी को दिए गए। इस घटना से कुलियाना में काफी आक्रोश है।

एटीएस के सामने टूट गया मोहम्मद शेख, उगले कई राज

लखनऊ (संवाददाता)। पाकिस्तानी गैंगस्टर शाहजाद भट्टी और आईएसआई से जुड़े आतंकी मोहम्मद शेख को आजमगढ़ ले जाकर वापस लाया गया है। पूछताछ में एटीएस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। सबसे अहम जानकारी उसे हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क को लेकर सामने आई है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इस कड़ी के सहारे आतंकी मॉड्यूल के स्थानीय सहयोगियों तक पहुंचा जा सकेगा। सूत्रों के मुताबिक, मोहम्मद शेख से लगातार हो रही पूछताछ में उन लोगों के बारे में जानकारी मिली है, जिनके जरिये उसके पास पिस्टल और कारतूस पहुंचे थे। इसके बाद एटीएस ने असलहा सप्लाई चेन की पड़ताल तेज कर दी है। संदिग्ध लोगों के मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), सोशल मीडिया संपर्क और वित्तीय लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि आतंकी गतिविधियों के लिए स्थानीय स्तर पर एक ऐसा नेटवर्क सक्रिय था, जो हथियार, ठिकाना और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने में मदद कर रहा था। इसी कारण एटीएस अब हर उस व्यक्ति की भूमिका खंगाल रही है जो किसी भी रूप में मोहम्मद शेख के संपर्क में रहा। आजमगढ़ और आसपास के जिलों में भी गोपनीय स्तर पर पड़ताल चल रही है। जांच के दायरे में कुछ ऐसे लोग भी आए हैं, जिनके संबंध पहले आपराधिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। एटीएस ने मोहम्मद शेख को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया था।

पति ने पत्नी की हथियार से की हत्या

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में सोमवार दोपहर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी है। हमले में 45 वर्षीय मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक और पुलिस टीमें घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। शुरुआती जांच में हत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस पारिवारिक विवाद सहित अन्य संभावित बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है। माल पुलिस के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है और पूछताछ तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक ने एलयू वीसी को लगाया फोन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के निष्कासन और फीस बढ़ोतरी के विरोध में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा धरना स्थल पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने वहीं से एलयू के कुलपति को फोन मिलाया। रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि छात्रों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, आंदोलन को समर्थन देने के लिए कांग्रेस के फरेंदा विधायक विरेंद्र चौधरी के भी धरना स्थल पर पहुंचने की संभावना है। धरने पर बैठे छात्रों की विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी जारी है। छात्रों का कहना है कि छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को उठाने पर कार्रवाई की जा रही है। जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन खुद अड़ियल रुख अपनाकर कई गुना फीस बढ़ा रहा है। धरने पर बैठे छात्रों का कहना है कि जब तक निष्कासन वापस नहीं लिया जाता और फीस वृद्धि समेत अन्य मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले में कोई नई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

47 यात्रियों की क्षमता वाली बस में मिले 167 यात्री, इमरजेंसी गेट पर लगी थी बेंचे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में जांच के दौरान बिहार से पंजाब जा रही स्लीपर बस में 167 यात्री मिले। जबकि, बस की क्षमता 47 यात्रियों की थी। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने बस को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सीज कर दिया। यात्रियों को छतों पर भी बिठाया गया था। मामला स्लीपर बस संख्या यूपी 11 बीटी 0077 का है। यह बस बिहार के मुजफ्फरपुर से पंजाब के पटियाला के लिए जा रही थी। एआरटीओ प्रवर्तन आलोक कुमार यादव पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर डग्गेमार बसों की जांच कर रहे थे।

सम्पादकीय.....

हैरानीजनक है तृणमूल में बिखराव

लगातार 15 साल शासन के बाद ममता बनर्जी की चुनावी पराजय से भी ज्यादा चौंकाने वाला उनकी तृणमूल कांग्रेस में बिखराव है। 2021 के विधानसभा चुनाव में 294 में से 215 और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में 42 में से 29 सीटें जीतने वाली तृणमूल इस बार विधानसभा में 80 पर सिमट जाएगी, ऐसा किसने सोचा था? बेशक चुनाव में बड़े उलटफेर पहले भी देखे गए हैं। भारतीय राजनीति की 'लौह महिला' इंदिरा गांधी 1977 में प्रधानमंत्री रहते हुए लोकसभा चुनाव हारीं और पहली बार कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बेदखल हो गई। 2009 में 206 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 2014 के लोकसभा चुनाव में 44 पर सिमट गई। इसलिए कांग्रेस छोड़ अपनी तृणमूल बना कर 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़ फैंकने वाली ममता का सत्ता के साथ ही खुद भी चुनाव हार जाना अनहोनी घटना नहीं है। दरअसल हार से भी ज्यादा हैरानीजनक है तृणमूल में विभाजन और जन आक्रोश। विधानसभा चुनाव में तृणमूल का 'गुंडा राज' बड़ा मुद्दा था, मतदाताओं ने जिसकी समाप्ति के लिए जनादेश दिया है, न कि चेहरे बदलने के लिए। तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने भ्रष्टाचार से ले कर हिंसा तक जो कुछ भी गलत किया, कानून सम्मत प्रक्रिया से उसकी कठोर सजा उन्हें मिलनी ही चाहिए, लेकिन कानून व्यवस्था बनाए रखना सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है, जिससे मुंह नहीं चुराया जा सकता। चार मई को विधानसभा चुनाव परिणाम आने के साथ ही तृणमूल में बड़ी टूट की आशंका भी जताई जाने लगी थी। ममता की तृणमूल को नकार कर मतदाताओं ने 'सोनार बांग्ला' बनाने की जिम्मेदारी भाजपा को सौंपी है, जिसके निर्वाह का दायित्व सुवेंदु अधिकारी को दिया गया है। जाहिर है, भाजपा के 'वादे–इरादे' सुवेंदु सरकार के कामकाज की कसौटी पर ही कसे जाएंगे लेकिन तृणमूल कांग्रेस में अप्रत्याशित बिखराव कई सवाल खड़े करता है, जिसके कुछ जरूरी सबक भी हैं। मसलन, राज्य–दर–राज्य रेखांकित हो रहा है कि क्षेत्रीय दल वस्तुतः परिवार विशेष की जागीर होते हैं, जिनकी सफलता की कसौटी सिर्फ सत्ता होती है। सत्ता जाते ही इनकी प्रासंगिकता पर सवालिया निशान लगने लगते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की सबसे बड़ी योग्यता–प्रतिभा यही है कि वह दिवंगत मुलायम सिंह यादव के बेटे हैं, जिन्होंने खुद जनादेश हासिल कर उन्हें अपने जीवनकाल में ही मुख्यमंत्री बना दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती भी राजनीतिक उत्तराधिकार के लिए भतीजे आकाश से आगे नहीं देख पाईं तो वही कहानी ममता बनर्जी की है। कई–कई बार इतने बड़े राज्यों पर शासन करने वाले दल में परिवार से बाहर और कोई योग्य उत्तराधिकारी ही नहीं मिला, इस पर कौन विश्वास करेगा? माया ने आकाश को चुना तो तमाम दिग्गजों को बाहर का रास्ता देखना पड़ा और जब ममता ने अभिषेक को आगे बढ़ाया तो बगावत करने वाले सुवेंदु ने आखिरकार भाजपाई बन कर सत्ता ही छीन ली। दरअसल तृणमूल में बगावत के मूल में जो भी ज्ञात–अज्ञात कारण हों, यह तो साफ है कि ममता की बजाय नाराजगी अभिषेक से ज्यादा है। चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक बनर्जी की भाषा किसी राजनेता की बजाय क्षेत्रीय बाहुबली की ज्यादा नजर आई। वह सरेआम डायमंड हार्बर मॉडल तोडने की चुनौती देते दिखे, पर नतीजों ने बता दिया कि जब मतदाता ठान ले तो कोई मॉडल नहीं टिक पाता। छात्र जीवन से राजनीति शुरू कर अपने दम पर यहां तक पहुंचीं इतनी अनुभवी ममता भी उस सत्ता मद से नहीं बच पाईं! 15 साल की सत्ता विरोधी भावना और भाजपा के मुकाबले 80 विधानसभा सीटों को सम्मानजनक भी मान लें तो रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 58 विधायकों की बगावत को क्या कहें? अब वैसी ही बगावत की आशंका 29 लोकसभा सांसदों में भी जताई जा रही है। जाहिर है, हाल तक ममता के निष्ठावान रहे इन बागी तृणमूल नेताओं की आत्मा अचानक जाग जाने के लिए भाजपा पर उंगलियां उठाई जा रही हैं। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिरा कर वैकल्पिक सरकार बनाते हुए भाजपा ने जिस एकनाथ शिंदे और अजीत पवार रूपी मोहरों से अपनी निष्कंटक सत्ता की चुनावी बिसात बिछाई, उसके मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस में अप्रत्याशित बिखराव में उसकी भूमिका खारिज कर पाना आसान नहीं लेकिन अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए जिम्मेदार तो खुद ममता ही हैं। सत्ता पा कर एकला चलो का राग अलापने वाली तथा लोकसभा और विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों के लिए सीटें न छोडने वाली ममता अब भाजपा के विरुद्ध संघर्ष के लिए सबसे साथ आने का आह्वान कर रही हैं।

चुनाव आयोग के खोखले दावे और एस.आई.आर. प्रक्रिया की गलतियां

पी. चिदम्बरम

एक वकील के तौर पर, मैं समझता हूं कि अगर 2 सम्मानित जज कोर्ट की तरफ से बोलते हैं, तो असल में भारत का सुप्रीम कोर्ट बोल रहा होता है। सुप्रीम कोर्ट एक संवैधानिक अदालत है, यह अपील सुनने वाली आखिरी अदालत भी है, कुछ मामलों में इसके पास सीधे सुनवाई का अधिकार है, सभी अदालतों पर इसकी निगरानी है, यह अपने ही फैसलों की समीक्षा कर सकती है और उन्हें बदल सकती है, यह खुद से किसी मामले पर संज्ञान ले सकती है, इसके पास स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) या कमीशन बनाने की ताकत है, यह किसी मामले की जांच के लिए पुलिस एजैंसी को निर्देश दे सकती है, यह सिविल या कमध्शयल विवाद को मध्यस्थता या आध्ब्ट्रेशन के लिए भेज सकती है, यह किसी मामले को एक हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र से दूसरे हाई कोर्ट में ट्रांसफर कर सकती है, यह किसी पुरुष और महिला को तलाकशुदा घोषित कर सकती है, इसके पास कोर्ट की अवमानना के लिए किसी व्यक्ति को सजा देने की ताकत है, भारत के संविधान की इसकी व्याख्या ही आखिरी बात मानी जाती है और इसके पास 'पूरा न्याय' करने के लिए कोई भी आदेश पारित करने की ताकत है। कहा जाता है कि सुप्रीम कोर्ट दुनिया की सबसे ताकतवर अदालत है। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार इसकी बहुत सारी ताकतों में से एक खास ताकत है। 'स्टेट ऑफ मद्रास बनाम वी.जी. रो' मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने खुद को 'सेंटिनल क्वि वाइव' यानी संविधान का सतर्क प्रहरी बताया। संविधान चुनावों के बारे में क्या कहता है?अनुच्छेद 324 भारत के चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) को संसद और हर राज्य की विधानसभा के लिए वोटर लिस्ट तैयार करने और सभी चुनाव कराने की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी देता है। अनुच्छेद 326 कहता है कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे। (वोट देने का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है–सुप्रीम कोर्ट) इन दोनों अनुच्छेदों के बीच कोई टकराव नहीं है। ई.सी.आई. संवैधानिक रूप से भारत के हर वयस्क को शामिल करते हुए वोटर लिस्ट तैयार करने के लिए बाध्य है। जाहिर है, संविधान, नागरिकता अधिनियम, 1955 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत नागरिकता और निवास जैसी अन्य योग्यताएं भी तय की गई हैं। हर कानून एक अथॉरिटी और एक प्रक्रिया तय करता है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई व्यक्ति कानून के तहत योग्यताओं को पूरा करता है या नहीं। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का मूल आधार सबको शामिल करना है। वोटर लिस्ट से नाम हटाना एक अपवाद है और इसके लिए तय प्रक्रिया का पालन करना और लिखित में फैसला लेना जरूरी है, जिसकी न्यायिक समीक्षा हो सकती है। 'एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम चुनाव आयोग' मामले में 27 मई, 2026 के फैसले के दौरान (बिहार में एस.आई.आर. प्रक्रिया के संदर्भ में), सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कहीं आयोग ने तय किया कि 2003 की वोटर लिस्ट (जिसमें 01.01.2003 को पात्रता की तारीख माना गया था) को पात्रता का सबूत माना जाएगा, जब तक कि इसे गलत साबित न किया जाए। जिस व्यक्ति का नाम 2003 की लिस्ट में नहीं है, उसे वोटर के तौर पर अपनी पात्रता साबित करने के लिए एक या ज्यादा तय दस्तावेज दिखाने होंगे। ख्इंदरजीत बरुआ (1985) और लाल बाबू हुसैन (1995) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि वोटर लिस्ट में शामिल नामों को नागरिकता का प्रमाण माना जा सकता है।,

–जांच के दौरान, अगर किसी व्यक्ति की पात्रता पर शक होता है, तो ERO/AERO के लिए जरूरी था कि वह नाम हटाने के प्रस्तावित आधार बताते हुए 'कारण बताओ नोटिस' जारी करे... और तर्कपूर्ण आदेश दे। श्वक्रङ्क के फैसले से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति आर.पी. एक्ट, 1969 की धारा 24(ए) के तहत जिला मैजिस्ट्रेट के पास अपील कर सकता है। दूसरी अपील धारा 24(बी) के तहत राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सी.ई.ओ.) के पास की जा सकती है। वोटर लिस्ट तैयार करने या उसमें सुधार करने के दौरान, आयोग के पास निश्चित रूप से नागरिकता से जुड़े सवालों की जांच करने का अधिकार है ('एक सीमित जांच' –सुप्रीम कोर्ट) अहम बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा हो सकती है। फैसले में बताया गया कि बिहार में एस.आई.आर. प्रक्रिया का नतीजा यह हुआ कि 2003 की वोटर लिस्ट से लगभग 47,00,000 नाम हटा दिए गए। बिहार में हर 100 वयस्कों में से 6 लोगों के नाम अंतिम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए। बिहार एस.आई.आर. मामले में फैसला आने से पहले ही, पश्चिम बंगाल में एस.आई.आर. प्रक्रिया शुरू और पूरी हो चुकी थी। कई लाख नाम हटा दिए गए थे। तदर्थ न्यायिक अधिकारियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायिक समीक्षा की गई थी। ई.सी.आई. के जारी किए गए डाटा और प. बंगाल एस.आई.आर. एक्सरसाइज के सरकारी आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार मौत, डुप्लीकेट एंट्री, जगह बदलने, अनुपस्थित रहने आदि के कारण हटाए गए–63.66 लाख

मुख्य रूप से 'तार्किक विसंगतियों' के कारण समरी रिव्यू के बाद हटाए गए–27.16 लाख कुल हटाए गए नाम–90. 83 लाख तदर्थ न्यायिक अधिकारियों के पास दायर अपीलें–25 लाख (लगभग) सुनी और निपटाई गईं अपीलें (14 मई, 2026 तक)–6,581 स्वीकार की गईं अपीलें और वोटर लिस्ट में फिर से जोड़े गए नाम–4,043 सफलता का प्रतिशत–61.43 पश्चिम बंगाल ही एकमात्र ऐसा राज्य था, जहां हटाए गए नामों की न्यायिक समीक्षा की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई थी। बिहार में ऐसा नहीं हुआ। फैसले और न्यायिक समीक्षा के नतीजों की तुलना करें। अगर हम प. बंगाल के सैंपल की सफलता दर (61.43 प्रतिशत) को बिहार में हटाए गए नामों (47,00,000) पर लागू करें, तो यह निष्कर्ष निकालना सही होगा कि लगभग 28,87,210 लोग, जिन्होंने वोट नहीं दिया था, बिहार की वोटर लिस्ट में फिर से शामिल किए जाने के हकदार होते। यह निष्कर्ष ई.सी.आई. के दावों की खोखलापन और एस.आई.आर. प्रक्रिया की गलतियों, अविश्वसनीयता और भरोसे की कमी को उजागर करता है। ई.सी.आई. की मंजूरी के बाद, क्या लोकतंत्र बचेगा?

भारतीय कंपनियों को इन पांच ताकतों का सामना एकजुट होकर करना होगा

दीपक शर्मा

भारत के कॉर्पोरेट जगत के नेता अब अनिश्चितताओं से सहज महसूस करने लगे हैं। देश की संरचनात्मक वृद्धि बरकरार है। घरेलू मांग स्थिर है, उपभोक्ता वर्ग महत्वाकांक्षी है और नीतिगत माहौल व्यापक रूप से अनुकूल है। फिर भी, विकास का मार्ग पहले कभी इतना जटिल नहीं रहा। भू–राजनीति, तकनीकी व्यवधान और स्थिरता, वार्षिक नियोजन चक्रों की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से प्रतिस्पर्धी गतिशीलता को नया आकार दे रहे हैं। इस तिमाही में 25 क्षेत्रों की 1,000 से अधिक कंपनियों के अध्नग्स कॉल के कानविक विश्लेषण से पता चलता है कि बोर्डरूम कमोडिटी की कीमतों में उतार–चढ़ाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के तेजी से बढ़ते उपयोग, भू–राजनीतिक अनिश्चितता, बढ़ती मुद्रास्फीति और प्रीमियम उत्पादों की ओर व्यापक बदलाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। चौंकाने वाली बात इन दबावों की मौजूदगी नहीं, बल्कि इन सभी को एक साथ जिस हद तक संभालना आवश्यक है, वह है। हर बोर्ड में एक ही मुद्दा हावी है–कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता, जिसका जिक्र तिमाही–दर–तिमाही 32 प्रतिशत बढ़ रहा है। जो कभी तेल, गैस और धातुओं तक ही सीमित था, अब उसका दायरा भी बढ़ गया है। फास्ट–मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफ.एम.सी.जी.) कंपनियां सोया, पाम, गेहूं और सूरजमुखी के तेल में होने वाले उतार–चढ़ाव को उपभोक्ताओं की पसंद और मुनाफे पर सीधा असर डालने वाला कारक बता रही हैं। निर्माण कंपनियां कच्चे माल की लागत को अपनी सबसे बड़ी ड्क्षचता बता रही हैं। उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में, तांबे की कीमतों में उतार–चढ़ाव सकल मुनाफे को नुकसान पहुंचा रहा है। धातु क्षेत्र में, बुनियादी ढांचे के विकास के चलते इस्पात की मांग में वृद्धि बताई जा रही है। फिर भी, इनपुट लागतों में तेजी से उतार–चढ़ाव के कारण मुनाफे का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। ए.आई. अब सिर्फ तकनीकी चर्चा का विषय नहीं रह गया, तिमाही दर तिमाही इसकी चर्चा में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भवन निर्माण सामग्री और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में पहली बार इतनी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय सेवाओं में 400 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र में 240 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सीमेंट कंपनियां ए.आई.–सक्षम केंद्रीय नियंत्रण प्रणालियों को लागू कर रही हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनियां दस्तावेजीकरण को स्वचालित करने के लिए एजेंटिक ए.आई. का उपयोग कर रही हैं। खुदरा क्षेत्र में, बाजार की वृद्धि और उपभोक्ता विश्वास के साथ–साथ ए.आई. चर्चा के शीर्ष तीन विषयों में शामिल हो गया है। भू–राजनीतिक उथल–पुथल रू व्यापार नीति पर चर्चा स्थिर रही लेकिन बातचीत अधिक तीखी और क्षेत्र–विशिष्ट हो गई है। यूरोपीय बाजार इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे एक ही भू–राजनीतिक घटनाक्रम किसी कंपनी की स्थिति के आधार पर खतरा या अवसर दोनों का रूप ले सकता है। ऑटोमोटिव कंपोनैंट्स और औद्योगिक मशीनरी के निर्यातकों के लिए, यूरोप में मांग में नरमी और नई टैरिफ संरचनाओं से मुनाफे पर दबाव पड़ रहा है। भारतीय स्पैशलिटी कैमिकल्स और फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए स्थिति उलट है, क्योंकि यूरोपीय प्रतिस्पध्धयों के संयंत्रों के बंद होने से आपूर्ति में कमी आई है जिसे वे पूरा कर सकते हैं। वहीं, भारत–यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के चरणबद्ध कार्यान्वयन से वस्त्र, भवन निर्माण सामग्री और स्पैशलिटी मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के लिए निर्यात के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। लाभ बढ़ाने की रणनीति के रूप में प्रीमियम उत्पादों पर जोर देना रू उपभोक्ता व्यवहार में तिमाही–दर–तिमाही मामूली 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई लेकिन प्रीमियम उत्पादों पर जोर देना, उच्च मूल्य वाले उत्पादों की ओर एक रणनीतिक बदलाव, लागत दबाव के सबसे व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले उपायों में से एक बनकर उभरा है। यह सभी क्षेत्रों में देखने को मिलता है। मुद्रास्फीति फिर से लौट आई है रू इस तिमाही का सबसे तीव्र मात्रात्मक संकेत मुद्रास्फीति से संबंधित उल्लेखों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है, जो सभी विषयों में सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि महंगाई अपने शुरुआती स्तर से नीचे आ गई, लेकिन लागत का दबाव कम नहीं हुआ। औद्योगिक उत्पाद कंपनियां लगातार बढ़ती इनपुट लागत को एक समस्या मानती हैं। वित्तीय सेवाओं में, चर्चा अब उपभोक्ता ऋण की गुणवत्ता, विवेकाधीन खर्च व्यवहार और अर्थव्यवस्था के सुधार की गति जैसे कारकों पर केंद्रित हो गई है। इन पांचों विषयों को जोडने वाली बात यह है कि इनमें से कोई भी अस्थायी नहीं है। कमोडिटी की अस्थिरता, ए.आई. व्यवधान, भू–राजनीतिक विखंडन, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और मुद्रास्फीति चक्र परिचालन परिवेश की संरचनात्मक विशेषताएं हैं, न कि चक्रीय उतार–चढ़ाव। इसके अलावा, उभरते हुए देश वर्तमान अस्थिरता का अधिक बोझ झेल रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियों और व्यापारिक नेताओं के लिए आज की परिस्थितियों से निपटना कठिन हो गया है।इन चुनौतियों का अलग–अलग समाधान करना व्यर्थ साबित हो सकता है। इस परिवेश से सबसे मजबूत होकर उभरने वाली कंपनियां वे होंगी, जो इन कारकों को वैश्विक महाप्रवृत्तियों के परस्पर जुड़े आयामों के रूप में देखेंगी, जिनका समाधान एक ही रणनीतिक प्रश्न के उत्तर से किया जाना चाहिए रू निरंतर अस्थिरता की दुनिया में टिकाऊ रूप से बढने वाला व्यवसाय कैसे बनाया जाए?

एक छात्र के प्रश्न और पूरा तंत्र

डॉ. नीलम महेंद्र

भारत की सभ्यता में परीक्षा केवल अंकों का खेल नहीं रही। हमारे यहां परीक्षा का अर्थ रहा है स्वयं को सिद्ध करना, अपनी योग्यता को समाज के समक्ष प्रमाणित करना और अपने श्रम को सम्मान दिलाना। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में परीक्षा केवल विद्यार्थी नहीं देता, उसके साथ पूरा परिवार परीक्षा देता

है। मां अपनी नींद त्यागती है, पिता अपनी इच्छाएं स्थगित करता है और छात्र अपनी किशोरावस्था का बड़ा हिस्सा पुस्तकों के बीच छोड़ आता है। किन्तु आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी परीक्षा प्रणाली भी उतनी ही ईमानदार है जितनी मेहनत हमारे बच्चे करते हैं? यह प्रश्न इसलिए नहीं उठ रहा कि किसी परीक्षा में कुछ त्रुटियां हुई हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि देश की दो सबसे बड़ी परीक्षा प्रणालियां सी.बी.एस.ई. और नीट लगातार विवादों में घिरी हैं। सी.बी.एस.ई. की ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओ.एस.एम.) प्रणाली को लेकर उठा विवाद केवल डिजिटल मूल्यांकन की त्रुटि का नहीं है। मामला केवल किसी सॉफ्टवेयर, किसी टैंडर या किसी तकनीकी गड़बड़ी का भी नहीं है। बात यह है कि जिस देश में प्रशासनिक ढांचे पर हर वर्ष हजारों करोड़ रुपए खर्च होते हों, जहां विशेषज्ञ समितियों, सलाहकारों, तकनीकी वैंडरों और निरीक्षण एजैंसियों का पूरा तंत्र मौजूद हो, वहां एक 17 वर्षीय छात्र ऐसी कमियों की ओर संकेत कर देता है, जिन्हें पूरा सिस्टम समय रहते पहचान नहीं पाता। यही इस पूरे विवाद का सबसे असुविधाजनक सत्य है।भारत में लगभग 4 करोड़ विद्यार्थी हर वर्ष किसी न किसी बोर्ड, प्रवेश या प्रतियोगी परीक्षा में बैठते हैं। केवल सी.बी.एस.ई. की बोर्ड परीक्षाओं में 42 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होते हैं। नीट में 22 लाख से अधिक अभ्यर्थी बैठते हैं। जे.ई.ई. मेन में 15 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग लेते हैं। अर्थात भारत का परीक्षा तंत्र कई देशों की कुल आबादी से बड़ा है। ऐसे में परीक्षा केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं होती, वह राज्य और नागरिक के बीच विश्वास का अनुबंध होती है। लेकिन जब एक छात्र सार्वजनिक रूप से यह प्रश्न पूछता है कि मूल्यांकन प्रणाली, टैंडर प्रक्रिया और तकनीकी संरचना में इतनी स्पष्ट विसंगतियां मौजूद थीं तो उन्हें पहले क्यों नहीं देखा गया, तब उसका प्रश्न केवल सी.बी.एस.ई. से नहीं, पूरे शासन–तंत्र से होता है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह नहीं कि तकनीकी गड़बडियां हुईं, यह कि जिन कमियों को पहचानने के लिए पूरा प्रशासनिक ढांचा मौजूद था, उन्हें उजागर करने का काम एक 17 वर्षीय छात्र को करना पड़ा। यही इस पूरे प्रकरण का सबसे असहज और सबसे महत्वपूर्ण सत्य है। भारत में प्रशासनिक सेवा को देश का सबसे सक्षम तंत्र माना जाता है। हजारों अभ्यध्थयों में से चुनकर आने वाले अधिकारी नीति निर्माण से लेकर अरबों रुपए की परियोजनाओं तक का संचालन करते हैं। फिर प्रश्न उठता है कि जिस व्यवस्था के पास विशेषज्ञ, सलाहकार, तकनीकी समितियां और निगरानी तंत्र मौजूद हों, वहां एक छात्र को ऐसी खामियां क्यों दिखाई देती हैं जो अधिकारियों को नहीं दिखतीं? उत्तर असुविधाजनक है। समस्या क्षमता की नहीं, संवेदनशीलता की है। हमारी नौकरशाही का एक बड़ा हिस्सा धीरे–धीरे उस वास्तविक दुनिया से दूर होता गया है, जिसके लिए वह बनाई गई थी। फाइलों में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई देता है। प्रस्तुतियों में सब कुछ सफल दिखाई देता है। रिपोर्टों में सब कुछ नियंत्रित दिखाई देता है। लेकिन जमीन पर खड़ा विद्यार्थी अक्सर एक अलग वास्तविकता देख रहा होता है। यही दूरी अंततः संकट को जन्म देती है और यह संकट है 'सब ठीक है' की मानसिकता का। प्रैजैंटेशन में सब ठीक है! डैशबोर्ड में सब ठीक है! लेकिन जमीन पर क्या हो रहा है, यह जानने की कोशिश ही नहीं की जाती। यही कारण है कि अक्सर चेतावनी के संकेत पहले छात्रों, शिक्षकों, पत्रकारों या आम नागरिकों को दिखाई देते हैं और बाद में अधिकारियों को। यह घटना एक प्रतिभाशाली छात्र की जीत से अधिक, एक व्यवस्था की हार की कहानी है क्योंकि परीक्षा में हुई गड़बड़ी सुधारी जा सकती है। सॉफ्टवेयर बदला जा सकता है। अधिकारियों का तबादला किया जा सकता है। नई समिति बनाई जा सकती है। लेकिन यदि छात्रों का विश्वास टूट जाए, तो उसकी भरपाई किसी प्रशासनिक आदेश से नहीं की जा सकती। जिस दिन उन्हें यह लगने लगे कि उनकी मेहनत से अधिक महत्व व्यवस्थागत कमजोरियों का है, उसी दिन संस्थाओं की नैतिक शक्ति कमजोर होने लगती है। सुधार किसी नए पोर्टल से शुरू नहीं होगा। सुधार किसी नई समिति से भी शुरू नहीं होगा। सुधार तब शुरू होगा, जब व्यवस्था यह स्वीकार करेगी कि पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व है। और जब विफलताओं की जिम्मेदारी केवल सिस्टम की नहीं होगी, इसके व्यक्ति भी जवाबदेह होंगे। इस घटना से आज हम एक ऐसे दोराहे पर खड़े हैं जहां छात्रों की परीक्षा के साथ, परीक्षा स्वयं व्यवस्था की भी चल रही है। दुर्भाग्य से इस बार प्रश्नपत्र व्यवस्था के सामने था और उत्तर एक छात्र ने दिया।

बिन शादी मां बनीं एकता कपूर का दिखा निराला अंदाज, साड़ी के साथ पहनी टाई

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली एकता कपूर इन दिनों अपने नए बिजनेस वेंचर को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी और इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान के साथ मिलकर अपना ज्वेलरी ब्रांड एकता ज्वैलर्स लॉन्च किया। इस खास मौके पर आयोजित इवेंट में बॉलीवुड और टीवी जगत की कई जानी–मानी हस्तियां पहुंचीं, लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं खुद एकता कपूर और उनकी बिजनेस पार्टनर सुजैन खान ने। दोनों का फैशन सेंस और स्टाइल स्टेटमेंट इतना अलग और आकर्षक था कि हर किसी की नजरें उन्हीं पर ठहर गईं। जहां एक तरफ एकता कपूर ने अपने लुक में ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का शानदार मेल दिखाया, वहीं सुजैन खान अपने ग्लैमरस अंदाज से महफिल लूट ले गईं। दोनों के आउटफिट्स एक–दूसरे से बिल्कुल अलग थे, लेकिन स्टाइल और कॉन्फिडेंस के मामले में दोनों ने बराबर की टक्कर दी। 50 साल की उम्र में भी एकता कपूर का फैशन एक्सपेरिमेंट देखने लायक था। वहीं दो बच्चों की मां सुजैन खान ने अपने स्टाइलिश अवतार से साबित कर दिया कि फैशन का उम्र से कोई लेना–देना नहीं होता।इस खास मौके पर एकता कपूर ने ब्लैक कलर का ड्रेप्ड गाउन पहना था, जिसे देखकर पहली नजर में साड़ी का अहसास होता था। आउटफिट का फ्लोई डिजाइन और बॉडी–स्किमिंग फिट उनके लुक को बेहद एलिगेंट बना रहा था। गाउन के निचले हिस्से में साड़ी जैसी प्लीट्स दी गई थीं, जबकि ऊपर का हिस्सा स्ट्रैपलेस रखा गया था। एक तरफ से जुड़ा केप स्टाइल डिजाइन पूरे आउटफिट को फ्यूजन लुक दे रहा था। यही वजह रही कि उनका यह लुक सबसे अलग नजर आया। एकता कपूर के पूरे लुक में सबसे ज्यादा ध्यान उनकी सिल्वर शिमरी टाई ने खींचा। उन्होंने इसे सामान्य टाई की तरह नहीं बल्कि नेकपीस की तरह कैरी किया था। यह अनोखा स्टाइल एलिमेंट उनके आउटफिट को और भी खास बना रहा था। इसके साथ उन्होंने हाथों में कई स्टाइलिश रिंग्स और ब्रेसलेट पहने। खुले बाल और सॉफ्ट ग्लॉसी मेकअप ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया।दूसरी ओर सुजैन खान रेड कलर की स्टाइलिश हॉल्टर नेक मिनी ड्रेस में नजर आईं। उनका यह लुक पूरी तरह पार्टी और कॉकटेल वाइब्स दे रहा था। ड्रेस में मौजूद कटआउट डिजाइन और फ्लोरल पैटर्न ने इसे और भी खास बना दिया। फिटेड सिल्हूट उनकी पर्सनैलिटी को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर रहा था। वहीं ड्रेस पर की गई बारीक एम्बेलिशमेंट डिटेलिंग पूरे लुक में ग्लैमर का तड़का लगा रही थी। अपने रेड आउटफिट को

> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

कॉम्प्लिमेंट करने के लिए सुजैन ने गोल्डन जूलरी चुनी। लेयर्ड नेकलेस, स्टेटमेंट ईयररिंग्स, कई स्टाइलिश ब्रेसलेट और रिंग्स उनके लुक को और आकर्षक बना रहे थे। उन्होंने गोल्डन प्लेटफॉर्म हील्स के साथ अपने लुक को पूरा किया। रेड और गोल्ड का यह क्लासिक कॉम्बिनेशन उन पर बेहद खूबसूरत लग रहा था। खुले बाल और सॉफ्ट मेकअप ने उनके पूरे लुक को बैलेंस किया। एकता कपूर और सुजैन खान के इस स्टाइलिश अंदाज से कई फैशन टिप्स भी ली जा सकती हैं। ब्लैक और रेड जैसे क्लासिक रंग कभी फैशन से बाहर नहीं जाते। अगर आउटफिट सिंपल हो तो स्टेटमेंट जूलरी उसे खास बना सकती है। वहीं ड्रेप्ड गाउन जैसे फ्यूजन आउटफिट्स इवनिंग इवेंट्स के लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं। दूसरी तरफ मिनी ड्रेस के साथ प्लेटफॉर्म हील्स का कॉम्बिनेशन हमेशा ग्लैमरस लुक देता है। सबसे जरूरी बात यह है कि किसी भी पार्टी लुक में एक ही चीज को फोकस में रखें, चाहे वह आउटफिट हो या जूलरी। एकता ज्वैलर्स के लॉन्च इवेंट में एकता कपूर और सुजैन खान ने सिर्फ अपना नया बिजनेस ही नहीं लॉन्च किया, बल्कि अपने स्टाइल स्टेटमेंट से भी लोगों का दिल जीत लिया।

फिल्मों से दूर रहती हैं रामचरण की पत्नी उपासनां, फिर भी हैं 77,000 करोड़ की मालकिन... कैसे ?

फिलहाल रामचरण अपनी मूवी पेड्डी को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। खबरों और रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में बॉक्स ऑफिस में शानदार प्रदर्शन किया है। मात्र तीन दिनों में ही इस मूवी ने तेलुगु बाजार में 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है वहीं दूसरी तरफ वर्ल्डवाइड देखा जाए तो इस मूवी ने 200 करोड़ के करीब कमाई कर ली है। इसी बीच अपनी मूवी की सफलता की खुशी में रामचरण ने अपनी पत्नी उपासना संग केक काटकर सक्सेस का जश्न मनाया। आपको बता दें कि रामचरण की बीवी चाहे फिल्मों से दूर रहती हैं लेकिन फिर भी वो करोड़ों कमाती हैं। रामचरण की बीवी चाहे ग्लैमर की दुनियां से दूर हैं लेकिन वो सोशल मीडिया से काफी दूर रहती हैं। आये दिन वो कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं और जब–जब रामचरण को कोई भी सफलता मिलती है तो वो उसे सेलिब्रेट करना नहीं भूलतीं। आपको बता दें रामचरण की बीवी उपासना फिल्मों से दूर रहने के बावजूद भी करोड़ों पैसा कमाती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वो एक बिजनेस वूमन हैं। वह देश की एक प्रमुख फार्मा और हेल्थकेयर कंपनी में अहम जिम्मेदारी संभालती हैं। इसके अलावा, वह अपनी मां शोभना कामिनेनी के साथ अपोलो हेल्थकेयर का नेतृत्व भी देखती हैं और अपोलो हॉस्पिटल्स के सीएसआर विभाग की वाइस चेयरपर्सन के तौर पर भी कार्यरत हैं। साथ ही, राम चरण की पत्नी उपासना एफएचपरएल में मैनेजिंग डायरेक्टर की भूमिका भी निभा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उपासना पैसा कमाने में अपने पति को टक्कर देती हैं और वो कम से कम 77000 करोड़ की मालकिन हैं।

कियारा आडवाणी ने फिल्म टाक्सिक की निर्देशक गीतू मोहनदास को दी जन्मदिन की बधाई

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक की निर्देशक गीतू मोहनदास को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। कियारा ने इस खास मौके पर टॉक्सिक के सेट से बीटीएस वीडियो शेयर किया और साथ ही उनकी प्रशंसा में खास बात लिखी है। गीतू मोहनदास के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक बीटीएस वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में गीतू को सेट पर बड़े एक्शन सीन्स और कलाकारों को संभालते हुए दिखाया गया है। ऐसा ही वीडियो कियारा आडवाणी ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर गीतू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही कियारा ने इंस्टाग्राम पर गीतू को एक बेहद टैलेंटेड और निडर सोच वाली निर्देशक बताया है। पिछले साल दिसंबर में इस फिल्म से कियारा आडवाणी का पहला लुक सामने आया था, जिसमें उनके किरदार का नाम नादिया है। डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने कियारा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इस फिल्म में कमाल की एक्टिंग की है और उनका काम दर्शकों को हमेशा याद रहेगा। फिल्म टॉक्सिक

में KGF फेम सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी नजर आएंगी। इस फिल्म को वेंकट के. नारायण और खुद यश मिलकर बना रहे हैं। टॉक्सिक मूवी पहले इसी साल 4 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया है। फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान जल्द ही किया जाएगा।

गुजराती गायिका किंजल दवे और एक्ट्रेस मोनल गज्जर ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

धर्मनगरी उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार सुबह आस्था और श्रद्धा का विशेष संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध गुजराती गायिका किंजल दवे और जानी–मानी फिल्म अभिनेत्री मोनल गज्जर ने बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। तड़के सुबह दोनों हस्तियां मंदिर पहुंचीं और सनातन परंपरा के अनुसार भस्म आरती में सम्मिलित होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। किंजल दवे और मोनल गज्जर ने भगवान महाकाल के समक्ष देश और समाज की सुख–समृद्धि तथा जनकल्याण की प्रार्थना की। दर्शन एवं पूजन के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दोनों अतिथियों का सम्मान किया गया। समिति के उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने उन्हें बाबा महाकाल की तस्वीर और प्रसाद भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। महाकाल मंदिर में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ–साथ कला, फिल्म और संगीत जगत की हस्तियां भी समय–समय पर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचती रहती हैं।

'हम सभी गलतियां करते हैं', शिल्पा शिंदे की आलोचना पर हिना खान ने ट्रोलर्स को दिया जवाब, फैंस से की ये अपील

'भाबीजी घर पर हैं' के निर्माता पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप के खुलासे के बाद शिल्पा शिंदा सुर्खियों में हैं। वहीं शिल्पा शिंदे पर जुबानी हमला करने के बाद हिना खान भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हिना ने शिल्पा शिंदे की आलोचना की थी। इसके बाद हिना को लोगों ने निशाने पर लिया था। अब हिना खान ने आलोचकों को जवाब दिया है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के लिए नोट साझा किया है। ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के लिए एक संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने नफरत की जगह दयालुता को चुनने की अपील की। हिना ने लिखा, 'हम सभी गलतियां करते हैं और समय के साथ हम सभी बदलते हैं। मैंने यहां–वहां कुछ ट्वीट पढ़े, मैंने हमेशा नफरत के बजाय दयालुता, प्यार और ह्युमिनिटी को चुना है। अगर आप मेरे फैन हैं, तो मैं आपसे भी इसी दृढ़ता और स्पष्टता के साथ व्यवहार करने की अपील करती हूं।' अभिनेत्री ने अपने फॉलोअर्स को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि दूसरों के प्रति नफरत और कठोर व्यवहार किए बिना हमें अपनी बात मनवाने के लिए इतना नीचा नहीं गिरना चाहिए। हम अमानवीय या नफरत भरे हुए बिना भी ऐसा कर सकते हैं। हम हमेशा शालीनता से अपनी बात रख सकते हैं और फिर भी प्रभावी हो सकते हैं करुणा और प्रेम हमारी ताकत होनी चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते और उन लोगों की तरह व्यवहार करते हैं जो बेकार में नफरत फैलाते हैं और ट्रोल करते हैं, तो मैं आपको ब्लॉक कर दूंगी, चाहे आप मेरे फैन ही क्यों न हों। मैं सिर्फ अपने लिए और अपने चाहने वालों के लिए पॉजिटिविटी और शांति चाहती हूं। आप सभी मेरे लिए बहुत प्यारे हैं।' हाल ही में शिल्पा शिंद ने एक पॉडकास्ट में ये स्वीकार किया था कि उन्होंने एक दशक पहले भाबीजी घर पर हैं के निर्माता संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न का झूठा मामला दर्ज कराया था। शिंदे ने दावा किया कि उस समय वह खुद को फंसा हुआ महसूस कर रही थीं और आरोप लगाना उनके लिए आखिरी विकल्प था। अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया कि मामला समझौते से समाप्त हुआ और उन्हें उनकी बकाया राशि मिल गई।

कभी फिल्ममेकर्स की पहली पसंद थीं ये अभिनेत्री, अब सड़कों पर भीख मांगती दिखीं

मनोरंजन जगत की चमक–दमक के पीछे कई बार ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जो संघर्ष, अस्थिरता और कठिन हालात को उजागर करती हैं। ऐसी ही एक चर्चा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री मिताली शर्मा को लेकर सामने आई है, जिनकी जिंदगी के हालात को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मिताली शर्मा को लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री में स्थायी काम नहीं मिल पाया। लगातार मिल रहे रिजेक्शन और काम की अनिश्चितता के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। बताया जाता है कि आर्थिक परेशानियों और सपोर्ट सिस्टम की कमी ने उनके जीवन को और कठिन बना दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक समय उन्हें मुंबई के लोखंडवाला इलाके में बेहद खराब हालत में देखा गया था, जहां वह आर्थिक तंगी के चलते मदद मांगती नजर आईं। इस घटना के बाद उनकी स्थिति को लेकर कई सवाल उठे और लोगों में चर्चा तेज हो गई।

नाभि में तेल नहीं बल्कि लगाएं ये एक चीज, 2 बूंदों से बढ़ जाएगी चेहरे की चमक

नाभि में तेल लगाने के अलग–अलग फायदे हैं, हेल्थ के साथ ही स्किन को भी इससे खूब फायदे मिलते हैं। तेल की जगह आप नाभि में घी भी लगा सकते हैं। यहां देखिए इसे लगाने का तरीका–

बीते कई सालों से शरीर के कुछ हिस्सों पर तेल मालिश की जाती है। इनमें सिर से लेकर पांव शामिल हैं। इसके अलावा नाभि की मालिश से भी सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। कहते हैं कि नाभि में तेल डालने पर नर्वस सिस्टम बेहतर तरीके से काम करती हैं। इसके अलावा नाभि से गंदगी को साफ करना चाहते हैं तो भी आप तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार नाभि शरीर का सेंटर पॉइंट है, जो जीवन व विकास में अहम भूमिका निभाती है। इस पर तेल लगाने से पूरे शरीर पर असर पड़ता है, जिसमें त्वचा भी शामिल है। तेल के अलावा देसी घी की 2 बूंदें भी कमाल कर सकती हैं। चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए देसी घी का इस्तेमाल किया जाता है।

घी के फायदे

देसी घी नाभि पर लगाने से खूब फायदा मिलता है। इसे लगाने से हेल्थ और स्किन से जुड़ी कई समस्याएं दूर होती है। देसी घी में विटामिन ई, एंटी–बैक्टीरियल, विटामिन ए, प्रोटीन, विटामिन डी जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपको कई रोगों से बचाने में मदद करते हैं। सर्दी जुकाम जैसी समस्या से निपटने के लिए नाभि में घी डालने से फायदा मिलता है। इसके अलावा जोड़ों में दर्द, कब्ज, होंठ और स्किन के लिए भी ये फायदेमंद है।

कैसे लगाएं घी

नाभि के लिए आपको शुद्ध घी की जरूरत होगी। इसे लगाने के लिए पहले इसे गर्म करें और पिघला लें। इसके पिघलने के बाद आप गुनगुने घी को नाभी में डालें। ध्यान रखें ये बहुत ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए। इसे लगाकर कम से कम 15 से 20 मिनट के लिए रखें। फिर इस घी से मसाज करें।

नारियल और सरसों का तेल भी फायदेमंद

घी के अलावा आप नारियल या सरसों के तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इन दोनों में से किसी एक तेल को रोजाना नाभि में लगाने की आदत बना सकते हैं।

बालों के लिए दादी–नानी की फेवरिट नुस्खा है चंपी, ऑयलिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान

दादी–नानी और मम्मी बालों पर अक्सर तेल लगाने की सलाह देती हैं। बालों की तमाम समस्या से निपटने के लिए तेल लगाने की सलाह दी जाती है। चंपी करने पर आपकी पूरी बॉडी रिलैक्स हो जाती है, सिरदर्द के समय भी इसे करने पर तुरंत आराम मिल जाता है। हेल्दी बालों के लिए हेयर ऑयलिंग करना जरूरी है। लेकिन इसे करते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी गलती आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। यहां जानिए हेयर ऑयलिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए–

चोटी ना बनाएं

तेल लगाने के बाद अक्सर कस के चोटी बना ली जाती है, या फिर एक बन बनाया जाता है। लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि बाल बांधने के बाद वह आसानी से टूट जाते हैं। इसलिए ऑयलिंग के बाद किसी भी तरह की हेयर स्टाइलिंग से बचना चाहिए।

.....करें मसाज

बालों पर तेल लगाने के बाद मसाज करने से खूब आराम मिलता है। कहते हैं कि ऐसा करने पर तेल रूट्स तक जाता है। लेकिन इसे बहुत देर तक करने से बचना चाहिए। तेल लगाने के बाद 5 मिनट की चंपी काफी है।

ना करें कंघी

तेल लगाने के तुरंद बाद बालों में कंघी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से हेयर डैमेज होने के चांस रहता है और बाल जरूरत से ज्यादा टूटने लगते हैं। आप तेल लगाने से पहले कंघी कर लेती हैं, तो आपको ऑयलिंग के बाद ऐसा करने की जरूरत नहीं है।

बिजी लाइफस्टाइल के कारण इन दिनों लोग अपने खानपान पर कुछ खास ख्याल नहीं देते हैं। जिसकी वजह से पोषण तत्वों की कमी हो जाती है, और आंखों की रोशनी कमजोर हो जाती है। जिसकी वजह से उम्र से पहले ही चश्मा लग जाता है। इन दिनों इस परेशानी के चलते छोटे–छोटे बच्चों को भी चशमा लग रहा है। इससे निपटने के लिए अगर आप भी तरह–तरह की तरकीबों को अपना चुकें हैं तो अब अपनी डायट में इन चीजों को शामिल करें।

कैसे हटाएं आंखों से चश्मा?

एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर चीजें आंखों के लिए फायदेमंद होती हैं। कुछ ऐसे विटामिन्स और मिनरल्स है जो आपको रोजाना की डायट में शामिल करने चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को खाने से सेल्स और टिशू हेल्दी रहते हैं और ऐसे में आंखों की समस्या खत्म हो जाती है।

विटामिन सी

विटामिन सी एक ऐसा पोषक तत्व है जो आंखों के लिए फायदेमंद है। लाल–हरी शिमला मिर्च, टमाटर, पालक, ब्रॉकली, संतरा और किवी जैसे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। ऐसे में रोजाना अपनी डायट में इनमें से कुछ चीजों को शामिल करें।

विटामिन ई

विटामिन ई स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। ये आंखों को फ्री रेडिकल्स से बचाता है। नट्स, हरी पत्तेदार सब्जी, शकरकंद, एवोकाडो और साबुत अनाज में विटामिन ई होता है।

फैटी एसिड

आंखों के लिए फैटी एसिड काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। फ्लैक्स सीड्स, सोयाबीन और अखरोट जैसी चीजों में फैटी एसिड होता हैं।

बीटा कैरोटीन

गाजर, शकरकंद, टिंडा, अंडे और हरी पत्तेदार सब्जियों में बीटा कैरोटीन होता है। हमारा शरीर बीटा कैरोटीन को विटामिन ए के रूप में बदलता है।

आंखों के लिए कौन सा फल अच्छा होता है?

आंखों की हेल्थ को मेंटेन करने के लिए स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी बेहतरीन सुपरफूड हैं। ये सभी बेरीज पौष्टिक विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती हैं और आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में फायदेमंद हैं।

आंखों की पॉवर तेजी से कैसे बढ़ाएं

आंखों और आंखों की रोशनी को सुधारने के लिए आप कुछ नैचुरल तरीकों को अपना सकते हैं, जैसे–

– धूम्रपान ना करें

– ओमेगा –3 फैटी एसिड डायट में शामिल करें। इसके लिए पत्तेदार साग और मछली के साथ एक हेल्दी और बेलेंस डायट लें

– रोजाना एक्सरसाइज करें

आंखों पर लगे चश्मे को हटाने के लिए रोजाना खाएं ये 5 चीजें, नजर हो जाएगी तेज

डायबिटीज को रखना है कंट्रोल तो रोजाना करें ये 3 योगासन, ये है करने का सही तरीका

बदलती लाइफस्टाइल, वर्कआउट की कमी और खान–पान की खराब आदतों की वजह से आजकल ज्यादातर लोग डायबिटीज के शिकार हो रहे हैं। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन की मानें तो 7 करोड़ से ज्यादा भारतीय इस बीमारी से ग्रस्त हैं। चिंता की बात यह है कि समय रहते अगर डायबिटीज को कंट्रोल नहीं किया जाता तो ये अन्य बीमारियों का कारण बनने लगती है। अगर आप भी डायबिटीज से पीड़ित हैं तो अपने रूटिन में इन 3 योगासन को शामिल करके इसे कंट्रोल कर सकते हैं।

डायबिटीज के लिए योगासन–

कपालभाति–

डायबिटीज रोग को कंट्रोल करने के लिए यह योगासन एक अच्छा विकल्प है। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को मोड़ कर क्रॉस–लेग अवस्था में फर्श पर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस लेते हुए एक ध्वनि बनाते हुए, जल्दी से सांस छोड़ें। कपालभाति करते समय आपको सांसों का विशेष ध्यान रखना है। सांस भीतर लेते समय धीरे–धीरे गहरी सांस लेनी है और छोड़ते समय जल्दी–जल्दी सांस छोड़नी है। ऐसा 10 बार करें।

अनुलोम–विलोम–

योग में डायबिटीज कंट्रोल रखने का दूसरा असरदार तरीका है। अनुलोम विलोम करते समय आपको अपने दाएं नथुने को बंद करते हुए बाएं नथुने से सांस लेना है। फिर तुरंत बाएं नथुने को बंद करके दाएं नथुने से सांस छोड़ें।

मंडुकासन–

मंडुकासन करने के लिए सबसे पहले वज्रासन स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों की मुट्ठी बनाकर अपने पेट पर इस तरह रखें कि दोनों हाथों का जोड़ नाभि पर आ जाए। अपने पेट के विपरीत दोनों मुट्ठियों को दबाते हुए अपने माथे से जमीन को छूने की कोशिश करें। ऐसा करते समय जितना हो सके जमीन की ओर झुकें। ऐसा 20 सेकंड के लिए करें और फिर छोड़ दें।

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए आप ये घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं–

दालचीनी–

दालचीनी शरीर में नुकसानदायक कोलेस्ट्रॉल को कम करके खून में शुगर लेवल को कम करती है। इस उपाय को करने के लिए चुटकी भर दालचीनी पाउडर को पानी में उबाल कर उसकी चाय बनाकर पिएं। ऐसा करने से डायबिटीज को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

करेला–

करेला में मौजूद पोषक तत्व खून में मौजूद शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकते हैं। डायबिटीज रोगी इस उपाय को आजमाने के लिए रोजाना सुबह एक गिलास करेला का जूस बनाकर पिएं।

मेथी–

मेथी मधुमेह को नियंत्रित करने, ग्लूकोज सहनशीलता में सुधार लाने, शुगर लेवल को कम करने और ग्लूकोज पर निर्भर इंसुलिन के स्राव को प्रोत्साहित करने में मदद करती है। मेथी के इस उपाय के लिए 2 चम्मच मेथी के दाने रात में भिगोकर रख दें। अगली सुबह खाली पेट उस पानी को बीज के साथ पी लें। मेथी का ये उपाय डायबिटीज के टाइप–1 और टाइप–2 से पीड़ित रोगी अपना सकते हैं।

शरीर में विटामिन सी की कमी इन रोगों को देती है जन्म, जरूरी है जानना

शरीर को हेल्दी रखने के लिए सही पोषण लेना जरूरी है। सही मात्रा में विटामिंस और मिनरल्स बॉडी के सारे फंक्शन को आसानी से करने में मदद करती है। ये विटामिन और मिनरल्स बॉडी की ग्रोथ और बीमारियों को दूर करने के लिए जरूरी होते हैं। विटामिन डी और ए के साथ ही विटामिन सी भी बॉडी के लिए बहुत जरूरी है। इससे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है और किसी भी तरह के वायरल इंफेक्शन से बचने में मदद मिलती है। लेकिन केवल इम्यूनिटी सिस्टम ही नहीं विटामिन सी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और भी रोगों से बचाव में मदद करते हैं।

डायबिटीज

विटामिन सी की कमी शरीर में ब्लड ग्लूकोज लेवल पर असर डालती है। जिससे डायबिटीज होने का डर रहता है। डायबिटीज के पेशेंट को अक्सर विटामिन सी से भरपूर फल खाने की सलाह दी जाती है। ये बॉडी में ब्लड ग्लूकोज लेवल और लिपिड प्रोफाइल को इंप्रूव करने का काम करते हैं।

हार्ट डिसीज

विटामिन सी की कमी हार्ट डिसीज को जन्म देती है। कई सारी स्टडीज में पता चला है कि विटामिन सी कोरोनरी हार्ट डिसीज, हाइपरटेंशन के मरीज, कॉर्डियोवस्कुलर डिसीज के रिस्क को कम कर करती है। विटामिन सी न्यूट्रिएंट ऑर्गन डैमेज और खून के थक्के जमने से बचाने में मदद करते हैं।

खून की कमी

खून की कमी से एनीमिया हो जाता है। विटामिन सी बॉडी को आयरन अब्जॉर्ब करने में मदद करता है। विटामिन सी की कमी होने पर एनीमिया होने का खतरा रहता है। जिन लोगों को एनीमिया की शिकायत होती है उन्हें आयरन से भरपूर फूड्स के साथ ही विटामिन सी की भी पर्याप्त मात्रा लेनी चाहिए।

माउथ प्रॉब्लम

विटामिन सी की कमी दांतों और मसूड़ों को कमजोर बना देती है। इसकी कमी से इम्यूनिटी वीक हो जाती है। जिससे बीमार होने, इंफेक्शन होने और घाव लगने का डर ज्यादा हो जाता है।

निमोनिया

शरीर में पर्याप्त विटामिन की मात्रा निमोनिया जैसे फेफड़े की बीमारी पर असर डालती है। विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा लेने से निमोनिया होने के चांस कम होने लगते हैं।

संक्षिप्त

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने प्रज्ञानंद को किया सम्मानित, अतिका मीर से मिले मनसुख मांडविया

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद से मुलाकात की। प्रज्ञानंद ने हाल ही में नॉर्वे शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता था। विजय ने तमिलनाडु खेल प्राधिकरण की तरफ से प्रज्ञानंद को 50 लाख रुपये इनाम के तौर पर दिए। भारतीय शतरंज के युवा सितारे और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया था। उन्होंने अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की और इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए थे। 20 वर्षीय प्रज्ञानंद ने अंतिम दिन बेहद दबाव में खेलते हुए क्लासिकल जीत दर्ज की, जिसके उन्हें पूरे 3 अंक मिले। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया था। इस जीत की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि प्रज्ञानंद ने इस टूर्नामेंट में विश्व नंबर–1 मैग्नस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराया। यह उपलब्धि किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए बेहद खास मानी जा रही है। इतना ही नहीं, इस टूर्नामेंट में भारतीय विश्व चौंपियन डी गुकेश भी हिस्सा थे, लेकिन वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। इसके बावजूद प्रज्ञानंद ने भारत की उम्मीदों को जिंदा रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया। ग्रीस में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) के दूसरे दौर में शानदार सफलता हासिल करने वाली भारत की 11 वर्षीय रेसर अतिका मीर ने खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। मांडविया ने अपने आवास पर अतिका और उनके परिवार से मुलाकात की और मुंबई में जन्मी इस युवा रेसर को फॉर्मूला वन तक पहुंचने के सफर में मदद करने का वादा किया। कोई भी महिला ड्राइवर 1992 के बाद फॉर्मूला वन में भाग नहीं ले पाई है। अतिका को फॉर्मूला वन अकादमी से समर्थन हासिल है। अतिका ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्सर, प्रोत्साहन और बहुमूल्य सलाह के लिए आभार। माननीय मंत्री ने मेरे हाल के प्रदर्शनों की सराहना की। उन्होंने मुझे फॉर्मूला वन में जगह बनाने के मेरे सपने को साकार करने में हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन भी दिया है। अतिका मई के आखिरी सप्ताह में सीओटीएफए के इतिहास में चौंपियनशिप के राउंड 2.2 में क्वालिफाइंग और हीट में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद फाइनल में बड़े अंतर से जीत हासिल करने वाली केवल तीसरी ड्राइवर बनी थी। मांडविया भारत में फॉर्मूला वन की वापसी के लिए उत्सुक हैं। भारत ने आखिरी बार 2013 में फॉर्मूला वन की मेजबानी की थी।

इस बार का फीफा विश्व कप क्यों होगा बेहद खास? सेंसर वाली गेंद से रोबो डॉग तक दिखेंगी 5 तकनीक

नई दिल्ली,एजेंसी। फुटबॉल का सबसे बड़ा शो यानी फीफा विश्व कप शुरू होने में अब महज तीन दिन रह गए हैं। इस बार यह फुटबॉल महाकुंभ कई मायनों में पिछले 96 साल के सभी फुटबॉल आयोजनों को पछाड़ने जा रहा है। 39 दिन तक चलने वाला विश्व कप पहली बार तीन देशों की मेजबानी में हो रहा है। पहली ही बार इसमें 48 टीमें भाग लेंगी। इसके अलावा भी खासतौर पर तकनीक के मामले में यह बेहद खास साबित होने जा रहा है। ऐसे ही पांच तकनीकी उपयोग के बारे में हम आपको बता रहे हैं। स्टेडियम में सुरक्षा के लिए मैक्सिको पुलिस खास रोबो डॉग लाई है। इन्हें ग्वाडालूप नगर परिषद ने 145,000 डॉलर में खरीदा है, जो स्टेडियम में दंगा आदि होने पर वहां जाकर सुरक्षा बलों को लाइव वीडियो फीड देंगे ताकि वे कार्रवाई तय कर सकें। इस बार विश्वकप की आधिकारिक मैच बॉल का नाम ट्रायोंडा है। इस फुटबॉल में इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट सेंसर लगा है, जो प्रति सेकेंड 500 बार डेटा वीडियो असिस्टेंट रेफरी को भेजेगा। यह गेंद की 3डी गतिविधि रिकॉर्ड करता है। इससे ऑफसाइड आदि में सटीक निर्णय लेना संभव होगा। इस विश्व कप में लाइनमैन नहीं बल्कि एडवांस सेमी ऑटोमेटेड तकनीक गेंद के ऑफसाइड होने का निर्णय लेगी। यह पुरानी तकनीक की जगह लेगी, जो 10 सेंटीमीटर तक सटीक फैसला लेगी और वीएआर के बजाय सीधे रेफरी के ईयरपीस पर रियल टाइम में ऑडियो अलर्ट भेजेगी।

मैच के दौरान एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े एरिक्सन, मैच हुआ रद्द

डेनमार्क के खिलाड़ी क्रिस्टियन एरिक्सन एक बार फिर मैच के दौरान मैदान पर गिर पड़े। दरअसल, डेनमार्क और यूक्रेन के बीच अंतरराष्ट्रीय मैत्री हो रहा था जिस दौरान एरिक्सन गिर पड़े। बाद में इस मैच को रद्द कर दिया गया। डेनमार्क के मिडफील्डर क्रिस्टियन एरिक्सन रविवार को यूक्रेन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के दौरान मैदान पर गिर पड़े, जिसके चलते मैच को बीच में ही रोकना पड़ा। डेनमार्क की ओर से खेल रहे एरिक्सन 79वें मिनट में अपनी छाती पकड़कर जमीन पर गिर पड़े, जिससे खिलाड़ियों और अधिकारियों में तुरंत चिंता फैल गई। खेल रुकने के बाद चिकित्साकर्मी तुरंत मैदान पर पहुंचे और मिडफील्डर की सहायता की। मैच हालांकि, दोबारा शुरू नहीं हो सका और इसे रद्द करना पड़ा। जिस वक्त मैच रुका उस समय डेनमार्क यूक्रेन से 2–1 से आगे चल रहा था। डेनमार्क और यूक्रेन दोनों ही 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए हैं।

भारत ने रचा इतिहास, टेस्ट में दर्ज की सबसे बड़ी जीत, अफगानिस्तान को पारी और 300 रनों से हराया

मुल्लांपुर,एजेंसी। भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट मैच में पारी और 300 रनों से हराया। भारत ने पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी और अफगानिस्तान की पहली पारी तीसरे दिन 152 रन पर ऑलआउट की। भारत को इस तरह 412 रनों की बढ़त हासिल हुई और टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को फॉलोऑन दिया। अफगानिस्तान की दूसरी पारी में बल्लेबाजी बेहद खराब रही और टीम 112 रन ही बना सकी। अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में नौ विकेट गंवाए थे, लेकिन अशरफ बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। भारत की टेस्ट में पारी के अंतर से यह सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने महज तीसरे ही दिन एकमात्र टेस्ट अपने नाम कर लिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं था, लिहाजा टीम को डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में कोई फायदा नहीं होगा। भारत के लिए इस मैच में डेब्यू करने वाले बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मानव सुथार ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए और दूसरी पारी में एक विकेट चटका। दूसरी पारी में भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने चार विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव को तीन विकेट मिले। सिराज भी एक विकेट लेने में सफल रहे। अफगानिस्तान की बल्लेबाजी इस मैच में बेहद खराब रही। पहली पारी में जहां रहमत शाह एकमात्र बल्लेबाज थे जिन्होंने अर्धशतक लगाया, वहीं दूसरी पारी में कोई बल्लेबाज पचासा नहीं लगा सका। टीम की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि दूसरी पारी में सिर्फ तीन बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके। भारत ने तीसरे ही अफगानिस्तान के 14 विकेट गिराए। अफगानिस्तान ने आज पहली पारी में पांच विकेट गंवाए, जबकि दूसरी पारी में नौ विकेट गिरे। अफगानिस्तान के लिए दूसरी पारी में सेदिकुल्लाह अटल ने सबसे

ज्यादा 42 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच अब 13 जून से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन दूसरे सत्र का खेल समाप्त हो गया है। फॉलोऑन के बाद दूसरी पारी में उतरी अफगानिस्तान ने 98 रन पर पांच विकेट गंवा दिए हैं। अफगानिस्तान पर इस तरह पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है। चायकाल के समय अफसर जजई चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। अफगानिस्तान की आधी टीम 100 से भी कम के स्कोर पर पवेलियन लौट गई है। अफगानिस्तान को सेदिकुल्लाह के रूप में पांचवां झटका लगा है। सेदिकुल्लाह 80 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। अफगानिस्तान अभी भारत से 314 रन पीछे है। वाशिंगटन सुंदर ने रहमत शाह को आउट कर अफगानिस्तान को तीसरा झटका दिया है। रहमत ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था, लेकिन दूसरी पारी में वह 13 रन बनाकर आउट हुए। अफगानिस्तान अभी भारत से 325 रन पीछे है। न्यू चण्डीगढ़ स्थित पीसीए स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच चल रहे एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन अफगानिस्तान के कप्तान हशमातुल्लाह शाहिदी ने गर्मी की वजह से दर्शकों को ठंडा जूस बांटा। कुलदीप यादव ने रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर अफगानिस्तान को दूसरा झटका दिया है। गुरबाज 24 रन बनाकर आउट हुए। फॉलोऑन खेल रही अफगानिस्तान अभी भी भारत से 338 रन पीछे है।

आईसीसी ने किया कमेंट्री पैनल का एलान, मिताली-अंजुम समेत कई पूर्व दिग्गज शामिल

दुबई,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी कमेंट्री और ब्रॉडकास्ट टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में दुनिया भर के कई पूर्व कप्तान, विश्व कप विजेता खिलाड़ी और अनुभवी कमेंटेटर शामिल हैं जो टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों को बेहतरीन विश्लेषण और रोमांचक अनुभव देंगे। आईसीसी द्वारा घोषित कमेंट्री पैनल में भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज, इंग्लैंड की तेज गेंदबाज ताश फरांट, पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा, न्यूजीलैंड की केटी मार्टिन, पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर, आयरलैंड की इसोबेल जॉयस, भारत की वेदा कृष्णमूर्ति और पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इस टीम में कई ऐसे सदस्य भी हैं, जो अपने–अपने देशों के लिए विश्व कप जीत चुके हैं। मेल जोन्स और जूलिया प्राइस ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। वहीं स्टेसी–एन किंग वेस्टइंडीज की उस टीम में शामिल थीं जिसने महिला टी20 विश्व कप जीता था। इंग्लैंड की पूर्व खिलाड़ियों ईशा गुहा और एबोनी रेनफोर्ड–ब्रेंट ने भी अपने देश को विश्व कप और टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। पुरुष क्रिकेट के कुछ बड़े नाम भी कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। इनमें ऑस्ट्रेलिया के दो बार के विश्व कप विजेता मैथ्यू हेडन, भारत के दिनेश कार्तिक और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कार्लोस ब्रैथवेट शामिल हैं। इसके अलावा नासिर हुसैन, इयान बिशप और इयान स्मिथ जैसे अनुभवी कमेंटेटर भी टूर्नामेंट में अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे। इन सभी ने क्रिकेट के कई ऐतिहासिक मुकाबलों में कमेंट्री की है और प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। आईसीसी ने प्रस्तोता और ब्रॉडकास्ट टीम में चार्ल्स डेगनॉल, नैटली जर्मनोस, एलन विल्किंस, लॉरा मैकगोल्ड्रिक, जतिन सप्रू, कैस नायडू, रौनक कपूर और अली मिशेल को भी शामिल किया है। ये सभी टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों तक खिलाड़ियों की कहानियां, मैचों का विश्लेषण और मैदान से जुड़ी खास जानकारियां पहुंचाएंगे। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड में होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगी, जबकि फाइनल मैच पांच जुलाई को लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा।

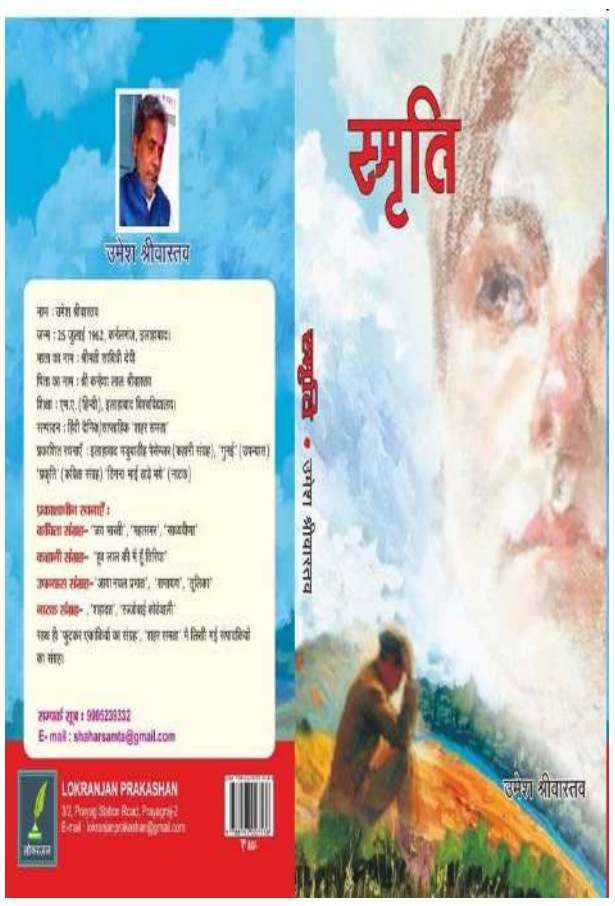

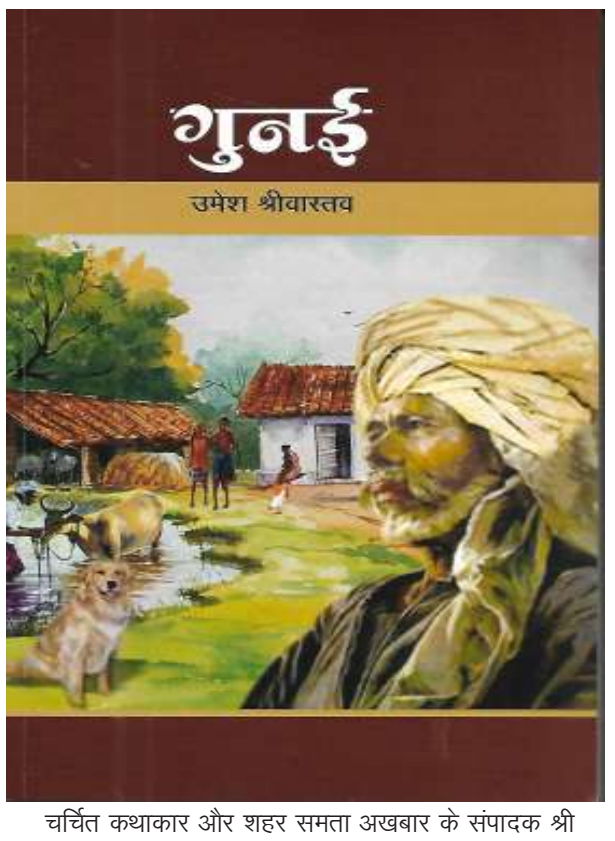

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

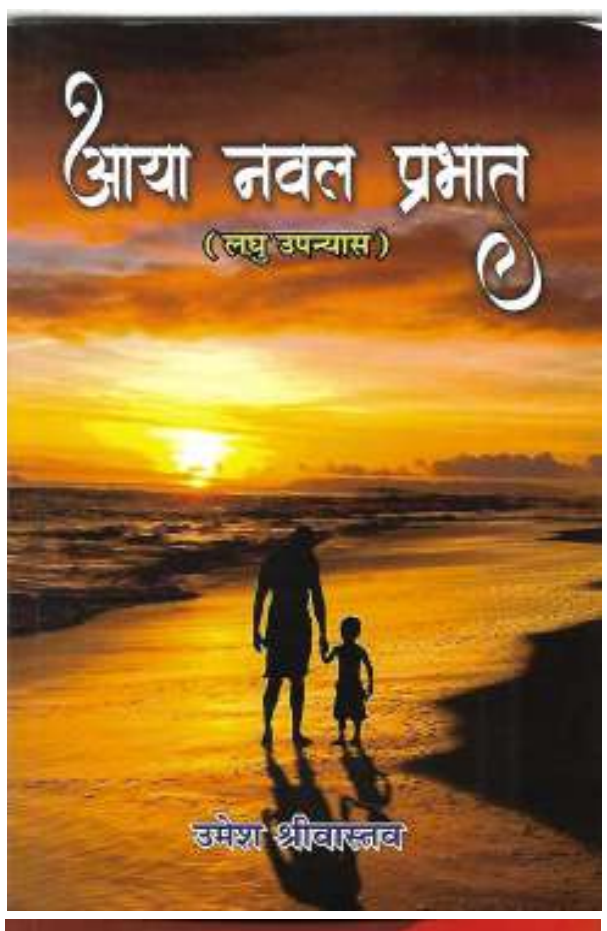

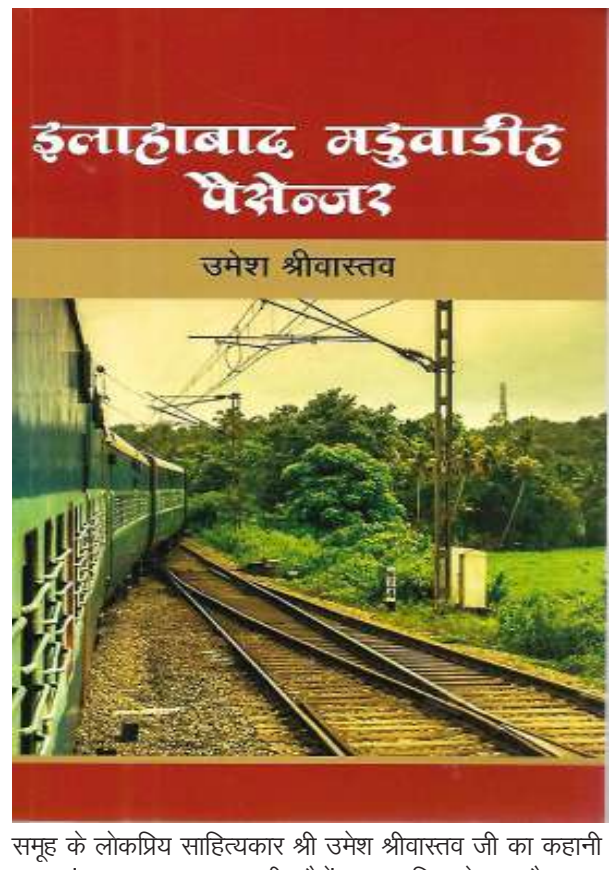

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

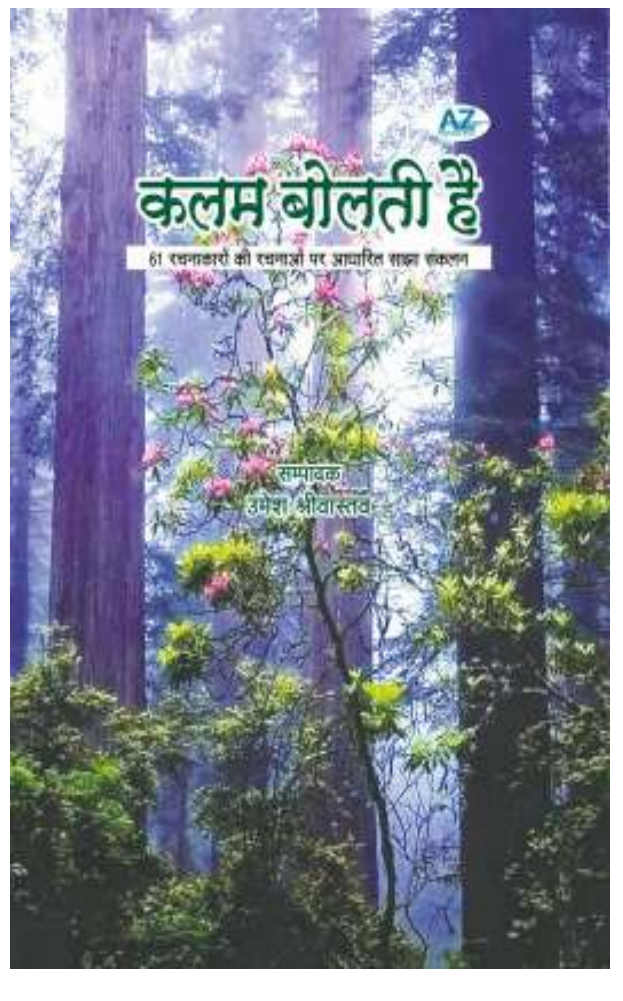

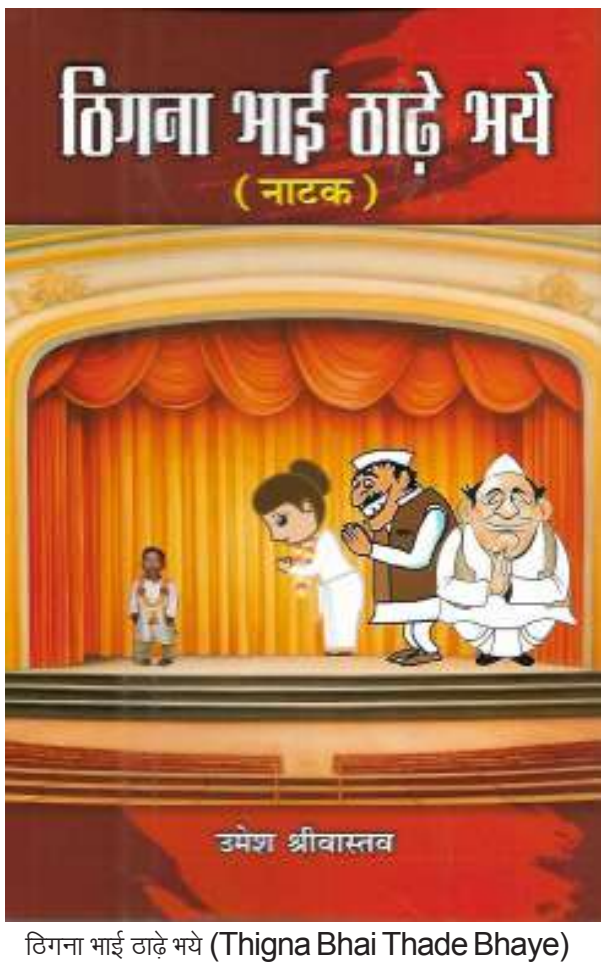

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

`स्वाभिमानी देश मिसाइल हमले नहीं सहेगा', ईरान पर कार्रवाई को लेकर इस्राइली राजदूत की दो टूक

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में युद्धविराम की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लीटर ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियानों का खुलकर बचाव करते हुए कहा कि कोई भी स्वाभिमानी देश अपने नागरिकों पर बार–बार होने वाले मिसाइल हमलों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में लाइटर ने स्पष्ट किया कि इस्राइल की कार्रवाई केवल ईरान के सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल लॉन्च साइटों और गैर–ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश लेबनान में भी लोगों का रुख अब ईरान के प्रभाव के खिलाफ हो चुका है और वहां की जनता ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह को

खारिज कर रही है। राजदूत ने चेतावनी दी कि अगर हिजबुल्लाह ने इस्राइल पर हमले जारी रखे तो बेरूत के दहिया क्षेत्र में स्थित उसके कमांड सेंटरों को कड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लेबनान में चल रही कार्रवाई और तेहरान के खिलाफ इस्राइल के सीधे अभियान अलग–अलग मुद्दे हैं। इस बीच सोमवार तड़के युद्धविराम पूरी तरह टूटता दिखाई दिया, जब अप्रैल में हुए संघर्षविराम के बाद पहली बार ईरान ने इस्राइल की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इस्राइल ने ईरान के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। ईरान के इस्फहान, तबरीज, कराज और तेहरान सहित कई शहरों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। तनाव बढ़ने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को भी झटका लगा है। ट्रंप लंबे समय से ईरान और इस्राइल के बीच तनाव कम करने और तेहरान के साथ संभावित परमाणु समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में कहा था कि दोनों पक्ष समझौते के बेहद करीब हैं और किसी भी नई सैन्य प्रतिक्रिया से पूरा शांति प्रयास पटरी से उतर सकता है। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि इस्राइल ने अपना हमला किया, ईरान ने भी जवाब दे दिया। अब हमें एक और जवाबी कार्रवाई की जरूरत नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि लगातार प्रतिशोध का सिलसिला क्षेत्र को अंतहीन हिंसा में धकेल सकता है। रविवार शाम ईरान द्वारा उत्तरी इस्राइल की ओर मिसाइलों की बौछार किए जाने के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। इस्राइली वायु रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली। हालांकि लाखों लोगों को बंकरों और सुरक्षित स्थानों में शरण लेनी पड़ी। हमलों के बाद इस्राइली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि ईरान ने गंभीर गलती की है। वहीं इस्राइल के सेना प्रमुख इयाल जमीर ने कहा कि आदेश मिलते ही दुश्मन पर निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर ने चेतावनी दी है कि अगर इस्राइल या उसके सहयोगियों ने आगे कोई हमला किया तो जवाबी कार्रवाई और व्यापक होगी। संगठन ने अमेरिकी और इस्राइली हितों को भी निशाने पर लेने की धमकी दी। क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ाते हुए इराकी शिया संगठन हिजबुल्लाह ने भी चेतावनी दी कि अगर अमेरिका सीधे संघर्ष में शामिल हुआ तो इराक और पूरे क्षेत्र में उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

संक्षिप्त

ईरान में यद्ध के बीच भारतीयों के लिए अलर्ट :भारतीय दूतावास ने जारी की नई एडवाइजरी, देश छोड़ने की अपील की

योंगयांग , एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच फिर तेज हुए सैन्य संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को तनाव के मुहाने पर ला खड़ा किया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि भारत सरकार को भी अपने नागरिकों के लिए हाई अलर्ट जारी करना पड़ा। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने साफ शब्दों में कहा है कि भारतीय नागरिक ईरान की यात्रा बिल्कुल न करें और जो लोग अभी वहां मौजूद हैं, वे उपलब्ध साधनों से तुरंत देश छोड़ दें। दूतावास की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब क्षेत्र में मिसाइल हमले, एयरस्ट्राइक और जवाबी कार्रवाई लगातार बढ़ रही है। इस्राइल और ईरान के बीच सोमवार को फिर भारी तनाव देखने को मिला। दोनों देशों ने एक–दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम लगभग टूटता नजर आया। पिछले 24 घंटों में कई शहरों में हमले हुए। रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया और मिसाइलों की बौछार देखी गई। हालात को देखते हुए भारतीय दूतावास ने नई एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सतर्क रहने को कहा। भारतीय दूतावास ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र की मौजूदा स्थिति बेहद संवेदनशील और खतरनाक हो चुकी है। ऐसे में भारतीय नागरिक किसी भी हालत में ईरान की यात्रा न करें। वहीं जो लोग ईरान में मौजूद हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकलने की सलाह दी गई है। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस संघर्ष को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की और ईरान पर जवाबी हमले से बचने की सलाह दी। ट्रंप का मानना है कि अगर इस्राइल फिर हमला करता है तो पूरा क्षेत्र लंबे युद्ध में फंस सकता है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते के बेहद करीब पहुंच चुका था, लेकिन अचानक हुए हमलों ने हालात बिगाड़ दिए। उन्होंने ईरान से भी बातचीत की मेज पर लौटने की अपील की। ट्रंप ने कहा कि तुमने मिसाइलें दाग दीं, अब काफी है। वापस बातचीत करो और समझौता करो।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमानय वीडियो वायरल

एजेंसी/डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई। डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह–पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण–पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

भारत–अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा, US अधिकारी से राजदूत क्वात्रा की मुलाकात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिका के वरिष्ठ काउंटर–टेररिज्म अधिकारी सेबेस्टियन गोरका से मुलाकात की। इस बैठक में दुनिया भर में बढ़ते आतंकवाद के खतरे और उससे निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। क्वात्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों ने आतंकवाद से जुड़े खतरों पर अपने–अपने नजरिए साझा किए। साथ ही फरवरी 2025 में भारत और अमेरिका के बीच हुए संयुक्त बयान में तय काउंटर–टेररिज्म सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी बात हुई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई थी। दोनों नेताओं ने साफ कहा था कि दुनिया के किसी भी हिस्से में आतंकवाद को पनपने नहीं दिया जाएगा और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करना जरूरी है।

लाल सागर में बढ़ा तनावः हूती लड़ाकों ने इस्राइली जहाजों पर लगाया पूर्ण प्रतिबंधय मिसाइल हमले का भी दावा

एजेंसी/यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को इस्राइल के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करते हुए लाल सागर में इस्राइली जहाजों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इसके साथ ही हूतियों ने इस्राइल पर मिसाइल हमला करने का दावा भी किया है, जिससे पश्चिम एशिया में जारी तनाव और बढ़ गया है। हूती लड़ाकों की सैन्य शाखा ने टेलीग्राम पर जारी एक बयान में कहा कि वह लाल सागर में इस्राइल से जुड़े सभी समुद्री जहाजों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। संगठन ने चेतावनी दी कि उसके इस ऐलान के बाद क्षेत्र में इस्राइल से संबंधित किसी भी प्रकार की गतिविधि को वैध सैन्य लक्ष्य माना जाएगा।

विद्रोहियों ने इस्राइल को लेकर क्या दावा किया? हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने इस्राइल के संवेदनशील

ठिकानों पर मिसाइलों की बौछार की और उनके हमले अपने उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। हालांकि, हमले से हुए नुकसान या हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इस्राइली सेना ने क्या जानकारी दी?

वहीं, इस्राइली सेना ने यमन से मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की है। सेना ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चौनल पर कहा कि उसने इस्राइली क्षेत्र की ओर यमन से मिसाइल लॉन्च होने का पता लगाया है और खतरे को निष्क्रिय करने के लिए वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय कर दी गई हैं। क्यों है यह घटनाक्रम अहम? हूती लड़ाकों की यह घोषणा वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण लाल सागर मार्ग पर नए संकट का संकेत है। इससे पहले भी इस्राइल–हमास संघर्ष के दौरान हूती हमलों के कारण कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों को अपने जहाजों का मार्ग बदलकर अफ्रीका के दक्षिणी सिरे श्केप ऑफ गुड होपश से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिससे परिवहन लागत और समय दोनों में वृद्धि हुई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब ईरान और इस्राइल के बीच सीधा सैन्य टकराव जारी है। इसके अलावा, फारस की खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य भी तनाव के केंद्र में बना हुआ है। ऐसे में लाल सागर में हूतियों की नई चेतावनी से क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक समुद्री व्यापार दोनों पर गंभीर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है कि हूती विद्रोही और लेबनान का हिज्बुल्लाह संगठन उस क्षेत्रीय गठबंधन का हिस्सा हैं, जिसे ष्एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंसष कहा जाता है। यह समूह इस्राइल और अमेरिका के विरोधी संगठनों का नेटवर्क माना जाता है। हूती पिछले एक दशक से यमन के बड़े हिस्से, जिसमें राजधानी सना भी शामिल है, पर नियंत्रण बनाए हुए हैं। 2015 में शुरू हुए यमन के गृहयुद्ध ने देश को गंभीर मानवीय संकट में धकेल दिया था और अब क्षेत्रीय संघर्ष में उनकी बढ़ती भूमिका पश्चिम एशिया की स्थिति को और जटिल बना रही है।

ट्रंप ने नेतन्याहू को रोका, कहा- अब हमला नहीं, वरना टूट जाएगा इस्राइल-ईरान शांति समझौता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच बड़ा बयान देकर पश्चिम एशिया की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। ट्रंप ने साफ कहा है कि वह इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात कर रहे हैं और उन्हें ईरान के मिसाइल हमलों के जवाब में

पलटवार नहीं करने की सलाह दे रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि अगर इस समय जवाबी हमला हुआ तो दोनों देशों के बीच बनने वाली संभावित शांति डील टूट सकती है। ऐसे समय में यह बयान आया है जब ईरान ने अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद पहली बार इस्राइल पर मिसाइल हमला किया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई। ट्रंप ने कहा कि वह नेतन्याहू से कह रहे हैं कि अभी जवाबी हमला करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि "हम समझौते के बेहद करीब हैं। सोमवार, मंगलवार या बुधवार तक डील हो सकती है। ऐसे समय में हमला हालात को और बिगाड़ देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान को अब बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए। उन्होंने कहा, तुमने मिसाइल दाग दी, अब बस करो और समझौता करो। ईरान ने सोमवार को उत्तरी इस्राइल की ओर मिसाइलें दागीं। अप्रैल में लागू युद्धविराम के बाद यह पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। इस्राइली सेना ने बताया कि मिसाइलों की पहचान होते ही कई इलाकों में सायरन बजाए गए और एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया गया। हालांकि शुरुआती रिपोर्ट में किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। इस्राइल की वायुसेना ने कहा कि कई मिसाइलों को हवा में ही रोक लिया गया। ईरान के हमले से एक दिन पहले इस्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दहिये इलाके में हमला किया था। इस्राइल का दावा था कि वहां हिजबुल्लाह का आतंकी ठिकाना मौजूद था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। ट्रंप ने भी इस्राइल के उस हमले पर नाराजगी जताई और कहा कि वह इस कार्रवाई से खुश नहीं थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि अगर अब फिर हमला हुआ तो कई महीनों से चल रही शांति वार्ता पूरी तरह पटरी से उतर सकती है।

चुनावी धांधली के दावों पर सबूत मांगने पर भड़के ट्रंप, पत्रकार को बताया `भ्रष्ट', बीच में छोड़ा इंटरव्यू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर मीडिया के साथ तीखी बहस को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने एनबीसी न्यूज की पत्रकार क्रिस्टन वेल्कर के साथ इंटरव्यू के दौरान न केवल तीखी बहस की, बल्कि इंटरव्यू बीच में ही

छोड़कर चले गए। ट्रंप ने पत्रकार और मीडिया संस्थानों पर पक्षपातपूर्ण और बेईमान होने का आरोप लगाया। रविवार को प्रसारित हुए इस इंटरव्यू में ट्रंप ने कैलिफोर्निया के गवर्नर चुनाव का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि चुनाव परिणाम आने में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि चुनाव में धांधली की जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदान के चार दिन बाद भी नतीजे घोषित नहीं हो पाए हैं, जो उनके अनुसार चुनावी गड़बड़ी का संकेत है। ट्रंप ने 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपने पुराने आरोप भी दोहराए। उन्होंने कहा कि 2020 का चुनाव धांधली वाला था और अब कैलिफोर्निया में भी वैसा ही हो रहा है। जब पत्रकार क्रिस्टन वेल्कर ने उनसे इन आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे तो ट्रंप ने कहा, श्मुझे सिर्फ देखना है, वही काफी हैश। वहीं पत्रकार ने जब उन्हें याद दिलाया कि अदालतों और चुनाव अधिकारियों ने ऐसे आरोपों की पुष्टि नहीं की है, तो ट्रंप नाराज हो गए। उन्होंने कहा, श्वे सभी भ्रष्ट हैं, ठीक आपकी तरह। आपका प्रेस भ्रष्ट है और श्मीट द प्रेसश भी भ्रष्ट है इस दौरान पत्रकार ने अपना बचाव करते हुए कहा कि वह भ्रष्ट नहीं हैं, लेकिन ट्रंप ने जवाब दिया, श्या तो आप भ्रष्ट हैं या फिर मूर्ख हैं। आप जानते हैं कि चुनावों में धांधली हो रही है और आपका नेटवर्क भी यह जानता हैश। बहस बढ़ने के साथ ट्रंप ने एनबीसी के अलावा एबीसी, सीबीएस और सीएनएन जैसे अन्य प्रमुख अमेरिकी मीडिया संस्थानों को भी श्एकतरफाश और श्भ्रष्टश बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका चुनाव प्रबंधन के मामले में श्तीसरी दुनिया के देशश जैसा बन गया है। कुछ देर बाद ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब वह इंटरव्यू जारी नहीं रखना चाहते। उन्होंने कहा, श्बस, अब बहुत हो गया। यहीं खत्म करते हैं। धन्यवादश। इसके बाद वह इंटरव्यू छोड़कर चले गए। हालांकि वेल्कर ने उन्हें रोकने और बातचीत जारी रखने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वह इस इंटरव्यू के लिए विशेष रूप से विस्कॉन्सिन तक आई हैं। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया कि उन्होंने बारिश में एक घंटे तक इंटरव्यू दिया है और अब काफी समय दे चुके हैं। उन्होंने मीडिया से सुधरने की भी सलाह दी। इंटरव्यू के दौरान 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले का मुद्दा भी उठा। वेल्कर ने पूछा कि क्या पुलिस अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में दोष स्वीकार करने वाले लोगों को ट्रंप के प्रस्तावित श्एंटी–वेपनाइजेशन फंडश से लाभ मिल सकता है। इस सवाल पर भी ट्रंप असहज नजर आए और उन्होंने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि कई लोगों ने लंबे जेल की सजा के डर से दोष स्वीकार किया था। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा– क्या किसी ने कैलिफोर्निया में चल रहे इस धांधली भरे चुनाव पर नजर रखी है? दो दिग्गज रिपब्लिकन उम्मीदवारों के साथ धोखा हो रहा है, और अमेरिका के साथ भी। अगर डेमोक्रेट्स अपने मकसद में कामयाब हो गए, तो बहुत बड़ी मुसीबत और अफरा–तफरी मच जाएगी। इस श्चुनावश पर बारीकी से नजर रखें!!!

अमेरिका में हैदराबाद के युवक की हत्या, बांग्लादेश में बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मौत की सजा

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में पिज्जा डिलीवरी करने गए 28 वर्षीय भारतीय युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने पर 20 हजार अमेरिकी डॉलर के इनाम की घोषणा की है। हैदराबाद निवासी अंशुल कुंचा शुक्रवार तड़के करीब 12रू30 बजे उत्तरी फिलाडेल्फिया के एक खाली मकान में पिज्जा की डिलीवरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके सिर के पीछे गोली मार दी गई, जिससे उनकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह मृतक के परिवार के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। एनबीसी फिलाडेल्फिया की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने मामले में गिरफ्तारी और दोषसिद्धि तक पहुंचाने वाली सूचना के लिए 20 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एडगली स्ट्रीट स्थित रेमंड रोसेन होम्स परिसर में हुई। अंशुल को खाली आवासीय इकाई में पिज्जा पहुंचाने के तुरंत बाद गोली लगी हुई अवस्था में पाया गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, निगरानी कैमरों की फुटेज में अंशुल पिज्जा के डिब्बों के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। उनके पीछे गहरे रंग के कपड़े पहने दो संदिग्ध व्यक्ति भी नजर आए हैं। इनमें से एक के पास बैग भी था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अंशुल को तीन पिज्जा की डिलीवरी के बहाने खाली अपार्टमेंट में बुलाया गया था। पुलिस को शक है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी। हैदराबाद में अंशुल के परिजनों ने न्याय की मांग करते हुए विदेश मंत्रालय से उनके पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने की अपील की है। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।